संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 260
पृष्ठ 8
बुधवार
10 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में चेहरा रहेगा एकदम...

विचार- चुनाव सुधार के लिए लोकतांत्रिक...

खेल- फिटनेस टेस्ट में पास हुए रोहित और...

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-

हमारी सरकार के पिछले 12 साल भरोसे, विकास और जन-कल्याण के लिए समर्पित

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में अपनी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि बीते 12 साल विश्वास, विकास और जनकल्याण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ सरकार ने युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम किया है, जिसके परिणामस्वरूप भारत ने वैश्विक मंच पर नई पहचान बनाई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, "हमारी सरकार के पिछले 12 साल भरोसे, विकास और जन-कल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ हमने अपने युवाओं, महिलाओं और किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हम सेवा, सुशासन और समृद्धि के इस रास्ते पर लगातार आगे बढ़ते रहेंगे।" प्रधानमंत्री ने नौ प्रमुख क्षेत्रों, गरीब कल्याण, नारी शक्ति, राष्ट्र निर्माण, युवा शक्ति, स्वास्थ्य, राष्ट्र प्रथम, किसान कल्याण, मिडिल क्लास और विरासत और विकासय के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 81 करोड़ से अधिक लोगों को हर महीने मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा 4 करोड़ से अधिक प्रधानमंत्री आवास, 10.5 करोड़ से ज्यादा उज्ज्वला गैस कनेक्शन और 12 करोड़ शौचालयों के निर्माण से करोड़ों परिवारों का जीवन आसान हुआ है।नारी सशक्तीकरण को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि 32 करोड़ से अधिक महिलाओं के जन-धन खाते खोले गए हैं। महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन का अवसर मिला है और 3 करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। वहीं, 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 10 करोड़ ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं।राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास को ऐतिहासिक बताया। देश के 26 शहरों में 1,100 किलोमीटर से अधिक का मेट्रो नेटवर्क विकसित किया गया है। वर्तमान में 164 वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं। अटल सेतु, सुदर्शन सेतु, चिनाब रेल ब्रिज, बोगीबील ब्रिज और पंबन समुद्री पुल जैसे बड़े परियोजनाओं का निर्माण भी इसी अवधि में हुआ। देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 164 तक पहुंच गई है।युवाओं के लिए लगभग दो करोड़ लोगों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, जबकि मुद्रा योजना के तहत 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऋण वितरित किए गए हैं। देश में 2.2 लाख से अधिक स्टार्टअप और 10 हजार से अधिक अटल टिंकरिंग लैब नवाचार को नई दिशा दे रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना के तहत 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की गई है। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को भी पांच लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार का लाभ दिया जा रहा है। साथ ही 19 हजार से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सीएम योगी बोले-

राम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं

लखनऊ,संवाददाता। योगी आदित्यनाथ ने दो-टूक कहा कि जिनके मन में भारत के प्रति आस्था, निष्ठा नहीं है और जो संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, ऐसे लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती। प्रभु श्रीराम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं मिली। लव व लैंड जिहाद के प्रति आगाह करते हुए सीएम ने कहा कि इसके विरुद्ध समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा। तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को राजधानी में 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में रामभक्तों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रामकथा का श्रवण भी किया। कथा का वाचन तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से कहा कि जो भी प्रभु के सान्निध्य में आया, वह दैवीय आपदा से मुक्त रहता है। उन्होंने कामना की कि हर श्रद्धालु का जीवन सुख व समृद्ध के साथ बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों ने श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन को जन्म-मरण का प्रश्न बनाया था। संत इसका श्रेय नहीं चाहते थे, वे सिर्फ इसलिए अभियान से जुड़े क्योंकि भारतीय परंपरा, विरासत में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सभी के आदर्श हैं और राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान है।

अमित शाह ने कहा-

गरीब कल्याण और विकास साथ-साथ बढ़े

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में रहने के 12 साल आज पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इन 12 वर्षों में देश ने पहली बार गरीब कल्याण और अभूतपूर्व विकास को समांतर रूप से चरितार्थ होते देखा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "नरेंद्र मोदी जी ने आज के ही दिन तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।"

उन्होंने पोस्ट में लिखा, "मोदी जी के नेतृत्व में इन 12 वर्षों में देश ने पहली बार गरीब कल्याण और अभूतपूर्व विकास को समांतर रूप से चरितार्थ होते देखा है। चाहे 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देना हो या देशभर में 90 से अधिक एयरपोर्ट और 140 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें शुरू करनी हों, चाहे 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के घर देने हों या 1.45 लाख किलोमीटर सड़कें और 3000 किमी आधुनिक एक्सप्रेसवे बनाने हों।

चाहे 50 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा और 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन देने हों या भारत को दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाना हो।"गृह मंत्री ने आगे लिखा, "मोदी जी ने अपने अथक परिश्रम से इन 12 वर्षों में एक भी दिन अवकाश लिए बिना देश और देशवासियों की सेवा की है। जब नेतृत्व की नीयत साफ हो, लक्ष्य राष्ट्रहित हो और समर्पण पूर्ण हो, तभी ऐसे परिवर्तन संभव होते हैं।" इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "12 साल पहले नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेकर सेवा, सुशासन और जनकल्याण को केंद्र में रखकर एक नए युग का सूत्रपात किया था। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।" भाजपा अध्यक्ष ने लिखा, "इस अवधि में गरीब कल्याण, अन्नदाता समृद्धि, नारी शक्ति के सशक्तीकरण, युवाओं के लिए अवसर, स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास, डिजिटल परिवर्तन और आधारभूत संरचना के अभूतपूर्व विस्तार को नई गति मिली है। अनुच्छेद 370 का ऐतिहासिक निरसन, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण व सनातन सांस्कृतिक विरासत के पुनर्स्थापन ने राष्ट्र की अस्मिता, आत्मगौरव और सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान की है।" उन्होंने लिखा, "इस परिवर्तनकारी यात्रा के केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी का 'प्रधानसेवक' भाव और सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता रही है। इसी प्रेरणा के साथ हम सभी 'विकसित भारत 2047' के सामूहिक स्वप्न को साकार करने हेतु अपने सामूहिक प्रयासों के साथ पूर्ण रूप से संकल्पित हैं।"बता दें कि नरेंद्र मोदी ने 9 जून 2024 को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उन्होंने अपने कार्यकाल के 4398 दिन पूरे करते हुए सबसे लंबे समय तक पीएम पद पर बने रहने के जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को भी तोड़ा है।

सव्यसाची दत्ता उगाही और भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की राजारहाट-न्यूटाउन विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के दो बार विधायक रहे और बिधाननगर नगर निगम के पूर्व चेयरमैन सव्यसाची दत्ता को मंगलवार तड़के गिरफ्तार कर लिया गया है। दत्ता पर भ्रष्टाचार, जबरन वसूली और अपने इलाके में लोगों को लगातार धमकाने के आरोप हैं। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में बिधाननगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वार्ड नंबर 31 के पार्षद सव्यसाची दत्ता ने कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में स्थित सॉल्ट लेक के एक व्यापारी की लिखित शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया। यह इलाका बिधाननगर सिटी पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है। पहले भी दत्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार, जबरन वसूली और गुंडागर्दी में शामिल होने की कई शिकायतें मिल चुकी थीं। व्यापारी की शिकायत के बाद बिधाननगर नॉर्थ पुलिस स्टेशन की टीम ने सोमवार आधी रात के बाद राजारहाट के रायगाची इलाके में दत्ता के घर पर छापा मारा।

भारत ने पाकिस्तान को लगाई फटकार, कहा- उम्मीद है, जवाबदेह ठहराया जाएगा

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान की सरकार और सेना का अपने ही लोगों पर गोलियां बरसाना और उनका दमन करना कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के मुजफ्फराबाद में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की ओर से 30 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को मौत के घाट उतारे जाने की अपुष्ट खबरें आई हैं। भारत ने पाकिस्तान की इस बर्बरता की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (च्वज्ञ) में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और संबंधित मुद्दों पर भारत की चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा फैलाई जा रही फर्जी खबरों और वीडियो के पैटर्न पर भारत की पैनी नजर है। रणधीर जायसवाल ने इसे पाकिस्तान की अपनी विफलताओं को छिपाने और मानवाधिकारों के हनन से ध्यान भटकाने का एक हताश प्रयास बताया। रणधीर जायसवाल ने पीओके में पुलिसिया बर्बरता की रिपोर्टों का जिक्र किया, जिसमें कई लोगों के मारे जाने और कई अन्य के घायल होने की सूचना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके कुकर्मों और दुर्व्यवहारों के लिए जवाबदेह ठहराएगा। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान द्वारा फैलाया जा रहा दुष्प्रचार, क्षेत्र में उसकी अपनी समस्याओं और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान हटाने के लिए एक सुनियोजित चाल है। उन्होंने कहा कि भारत इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर जवाबदेही तय करने का आग्रह कर रहा है। पाकिस्तानी सेना ने कुछ दिनों पहले अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की थी। इस गोलाबारी में कई लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई थी। हालांकि, अब तक मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है। पाकिस्तानी सेना ने गोलाबारी की घटना का बचाव करते हुए दावा किया कि उन पर संकरी गलियों से हथियारों और पेट्रोल बम से हमला किया गया था। इसके बाद उन्होंने कार्रवाई शुरू की। पाकिस्तान ने इस प्रदर्शन की आवाज को दबाने की कोशिश में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया।

धर्मेंद्र प्रधान का एनटीए दौरा, छात्रों से बोले-

पढ़ाई पर ध्यान दें, परीक्षा होगी पारदर्शी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान एनईटी यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। यह परीक्षा 21 जून को होने वाली है। तैयारियों के तहत, मंत्री के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात करने की उम्मीद है, ताकि परीक्षा के सुचारू और निर्बाध संचालन के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय का समर्थन प्राप्त किया जा सके। समीक्षा बैठक के बाद, प्रधान ने छात्रों और अभिभावकों को परीक्षा प्रक्रिया के बारे में आश्वस्त किया। मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि मैं छात्रों और उनके अभिभावकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम पुनर्परीक्षा बिना किसी खामी या खामी के आयोजित करेंगे। उम्मीदवारों से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधान ने कहा कि मैं आप सभी के माध्यम से उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूंरू कृपया अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। हम पुनर्परीक्षा त्रुटिरहित तरीके से आयोजित करेंगे, और मैं इस मामले में आपका सहयोग चाहता हूं। मंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों का बहुमूल्य शैक्षणिक समय बर्बाद न हो, इसके लिए NEET UG पुनर्परीक्षा के परिणाम बिना किसी देरी के घोषित किए जाएंगे।

ग्रेटर कैलाश की बहुमंजिला इमारत में लगी आग

नयी दिल्ली दिल्ली के ग्रेटर कैलाश पार्ट 1 एन्क्लेव में मंगलवार को एक बहुमंजिला इमारत में आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, जीके-1 एन्क्लेव की डी24 बिल्डिंग में आग संभवतः एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। इस घटना में किसी के ह इससे पहले, विशेष न्यायाधीश ने आरोपियों और ईडी की ओर से पेश वकीलों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद आरोप तय करने पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव की ओर से दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाएं भी लंबित हैं। इन याचिकाओं में ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें इसी कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में उनके खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया गया था।

आपने देश की जनता के लिए क्या किया ? मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर संजय राउत ने पूछे सवाल

मुंबई,एजेंसी। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए। साथ ही, उन्होंने मौजूदा सरकार की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार से किए जाने पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों से बातचीत में संजय राउत ने कहा, श्आप लोग कह रहे हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 12 साल पूरे कर लिए हैं। लेकिन मेरा सीधा सवाल है कि इन वर्षों में आपने देश की जनता के लिए क्या किया? आपकी उपलब्धियां क्या हैं? आपने आज तक एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जनता से सीधा संवाद स्थापित करने की कोशिश नहीं की। इसके बावजूद अब आप इस सरकार की तुलना पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार से कर रहे हैं, जिसका कोई औचित्य नहीं है। पंडित नेहरू ने इस देश को संवारने का काम किया, जिसे आज पूरा देश देख रहा है। उन्होंने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हर चीज की उम्र बढ़ती है। यहां तक कि धरती की भी उम्र बढ़ रही है। आप किसी भी चीज की उम्र को रोक नहीं सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि जब मैं 75 वर्ष का हो जाऊंगा, तब पद छोड़ दूंगा, लेकिन क्या उन्होंने ऐसा किया? उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू ने अपने कार्यकाल में संवैधानिक संस्थाओं को मजबूत करने का काम किया था। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में एक रूपरेखा तैयार करने का प्रयास किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा केंद्र सरकार के नेतृत्व में संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि देश पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे नेताओं को कभी नहीं भूल सकता। तृणमूल कांग्रेस में चल रहे कथित आंतरिक विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने कहा, अगर किसी के मन में बेईमानी का कीड़ा घुस गया है, तो हम क्या कर सकते हैं। हमने इसका अनुभव महाराष्ट्र में किया है। ममता बनर्जी को सामने आकर लोगों से कहना चाहिए कि जिसे हमारे साथ रहना है, वह रहे और जिसे जाना है, वह चला जाए।

कोर्ट में हार्ट अटैक आने से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता की मौत, घटना से हर कोई स्तब्ध

प्रयागराज। जिला कचहरी में हृदय गति रुकने से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता भानु प्रताप सिंह की मौत हो गई। तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से हर कोई

हाथप्रभ है। वह मूल रूप से आजमगढ़ के रहने वाले थे। जिला कचहरी के कोर्ट नंबर–9 में तैनात अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) भानु प्रताप सिंह का मंगलवार दोपहर कोर्ट में अचानक हार्ट अटैक आने से निधन हो गया। उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। भानु प्रताप सिंह मूल रूप से आजमगढ़ के निवासी थे। घटना के समय उनके परिवार के सदस्य प्रयागराज में मौजूद नहीं थे। सूचना मिलने के बाद परिजन प्रयागराज के लिए रवाना हो गए हैं। फिलहाल उनका शव बेली अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। पोस्टमार्टम की तैयारी की जा रही है। अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

गंगा नहाने गए दो सगे भाइयों की डूबने से मौत, परिवार में मचा कोहराम

प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के मैनेया गंगा घाट पर स्नान करने गए दो सगे भाइयों की गंगा में डूबने से मौत हो गई। औद्योगिक थाना क्षेत्र के रामपुर चौकी अंतर्गत मुंगारी सल्दी का पूरा निवासी 16 वर्षीय राजन यादव व उसका छोटा भाई अभिषेक यादव अपने रिश्तेदार सनी यादव के साथ मंगलवार

की सुबह 9रू30 बजे मनैया गांव में गंगा नदी में नहाने के लिए गए थे। जहां तीनों किशोर नदी में डूबने लगे। उनके ही घर के पंकज बचाने के लिए कूदा तो वह भी पानी में डूबने लगे किसी तरह वह बाहर निकल कर आए मौके पर मौजूद निषाद ने सनी को बचा लिया। वही दोनों राजन और अभिषेक डूब गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से दोनों के सब को बाहर निकलवा कर करछना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आई जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बीएसए का नंबर हैक, व्हाट्सएप पर रुपये मांगने का भेजा मैसेज

प्रयागराज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) का सीयूजी मोबाइल नंबर साइबर ठगों ने हैक कर लिया। साइबर अपराधियों ने सामान डिलीवरी के नाम पर फोन कर एक कोड डायल करवाया, जिसके बाद बीएसए का सीयूजी मोबाइल नंबर हैक हो गया और उससे कई लोगों को रुपये मांगने के संदेश भेजे गए। सोमवार दोपहर बीएसए कार्यालय के लिए आवंटित सीयूजी मोबाइल नंबर पर दो अलग–अलग मोबाइल नंबरों से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को शिपमेंट डिलीवरी से जुड़ा बताते हुए कहा कि कार्यालय के लिए सामग्री भेजी गई है और पते के सत्यापन के लिए कोड वर्ड डायल करवाया। जैसे ही उक्त कोड डायल किया गया, मोबाइल नंबर का नियंत्रण साइबर ठगों के हाथ में चला गया। इसके बाद उसी नंबर से कई लोगों को मदद के नाम पर संदेश भेजे जाने लगे।

फर्जी मुख्तारनामा बनाकर जमीन बेचने के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज। जिला अदालत ने फर्जी आधार कार्ड और कूटरचित मुख्तारनामा (प्रतिनिधि अधिकार पत्र) तैयार कर जमीन बेचने के मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। यह आदेश अपर सत्र न्यायाधीश राहुल सिंह–प्रथम ने दिया। मऊआइमा क्षेत्र निवासी राहुल पटेल के खिलाफ नवाबगंज के हथिगहा निवासी गुलाबा देवी ने धोखाधड़ी और जालसाजी समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है। गुलाबा देवी ने आरोप लगाया था कि उनकी जमीन राहुल ने सहयोगियों के साथ मिलकर फर्जी आधार कार्ड और फर्जी मुख्तारनामा के आधार पर बेच दी। कूटरचित दस्तावेज के सहारे करीब 40 लाख रुपये में जमीन का बैनामा कराया गया। इसकी जानकारी उन्हें तब हुई, जब वह अपनी जमीन के अभिलेख निकलवाने तहसील पहुंचीं। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि पीड़ित ने स्वयं राहुल पटेल के नाम मुख्तारनामा पंजीकृत कराया था। उसी के आधार पर भूमि का विक्रय किया गया। जमीन के मूल्य के भुगतान को लेकर विवाद होने के कारण एफआईआर दर्ज कराई गई है। अभियोजन ने जमानत का विरोध कर कहा कि आरोपी नामजद है। उसने अन्य लोगों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का अवैध क्रय–विक्रय कराया। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में प्रथम दृष्टया आरोपों की गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

प्रो.उमा महेश्वर राव बने एमएनएनआईटी के नए निदेशक

प्रयागराज। एनआईटी राउरकेला, ओडिशा के निदेशक प्रो. उमा महेश्वर राव मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) प्रयागराज के नए निदेशक बने। शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी नोटिस के अनुसार वर्तमान में संस्थान के निदेशक प्रो.रमाशंकर(आरएस) वर्मा का कार्यकाल 14 जून को समाप्त हो जाएगा। मूलरूप से दक्षिण भारत के रहने वाले प्रो.राव ने खनन अभियांत्रिकी में मास्टर्स डिग्री काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से 1987 में प्राप्त की थी, जहां वे अपनी कक्षा में टॉपर्स थे। अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने बताया कि वह 15 जून एमएनएनआईटी के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण करेंगे। जनवरी 2022 में आईआईटी मद्रास के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रो.आरएस वर्मा को पांच वर्ष के लिए एमएनएनआईटी का निदेशक नियुक्त किया गया था। प्रो.वर्मा फतेहपुर के अशोथर के रहने वाले हैं।

हिस्ट्रीशीटर समेत 11 लोगों के 15 शस्त्र लाइसेंस निरस्त

प्रयागराज। हिस्ट्रीशीटर समेत 11 लोगों के 15 शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। हत्या में लाइसेंसी शस्त्र का इस्तेमाल किए जाने, गलत पता बताकर लाइसेंस प्राप्त करने, आपराधिक मुकदमा दर्ज होने और अन्य मामलों में जिलाधिकारी ने यह कार्रवाई की। सरदार पटेल मार्ग, सिविल लाइंस निवासी मोहम्मद इदरीस उर्फ बबलू के डीबीबीएल व रिवॉल्वर के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। इदरीस को अन्य मुकदमों में तो बरी किया जा चुका है लेकिन हिस्ट्रीशीटर होने का मुकदमा चल रहा है। वहीं, चक रघुनाथ नैनी निवासी विनय जायसवाल के पिस्टल व डीबीबीएल के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं।

पुलिस आख्या के अनुसार विनय पर कई धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं और चक्काजाम में शस्त्र के साथ पहुंचने पर आपत्ति दर्ज की गई है। हनुमानपुर धरवारा, करछना निवासी कमलाकांत द्विवेदी का एसबीबीएल का लाइसेंस निरस्त किया गया है। कमलाकांत पर विभिन्न धाराओं पर मुकदमे दर्ज हैं और सिविल लाइंस का गलत पता दिखाकर लाइसेंस प्राप्त किया।

हनुमानपुर धरवारा, करछना निवासी ओम प्रकाश द्विवेदी ने भी कोरांव का गलत पता बताकर रिवॉल्वर और इसी गांव के राममूर्ति ने कूपर रोड, सिविल लाइंस के फर्जी पते पर एसबीबीएल का लाइसेंस प्राप्त किया जिन्हें डीएम ने निरस्त कर दिया। राममूर्ति पर कई मुकदमे दर्ज होने के कारण करछना के सही पते से जारी राइफल का लाइसेंस भी निरस्त कर दिया गया है। बुनौना नवाबगंज निवासी आलोक शुक्ल पर औद्योगिक थाने और नवाबगंज थाने में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के कारण राइफल का लाइसेंस और झूंसी निवासी पवन मिश्र ने सरायइनायत थाने में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज होने और गलत शपथपत्र देकर मुकदमे की जानकारी छिपाने के मामले में डीबीबीएल व रिवॉल्वर का लाइसेंस निरस्त किया गया है।

इसके अलावा असरौली थाना पूरामुफ्ती निवासी अशफाक उर्फ मटरू के खिलाफ कई धाराओं पर मुकदमा दर्ज होने और लाइसेंसी शस्त्र से धमकी देने के मामले में राइफल का लाइसेंस डीएम ने निरस्त कर दिया है। पूर्व में कौशाम्बी में तैनाती के दौरान डीएम मनीष कुमार वर्मा ने अशफाक को नोटिस भी जारी किया था। इसके अलावा धराधनपुर हंडिया निवासी दुर्गेश तिवारी का राइफल का लाइसेंस निरस्त किया गया है। दुर्गेश पर हंडिया और मछली शहर जौनपुर में कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा सुहागी मध्य प्रदेश में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रतिबंधित कफ सिरप की 150 शीशी मिलने का मुकदमा भी दर्ज है। बेंदो औद्योगिक क्षेत्र के रहने वाली शिव शंकर का रिवॉल्वर का लाइसेंस निरस्त किया गया है। शिव शंकर पर लाइसेंसी शस्त्र से हत्या करने का आरोप है। डीएम ने चांधन नवाबगंज निवासी राहुल सिंह की राइफल का लाइसेंस भी निरस्त कर दिया है। राहुल पर नवाबगंज निवासी शिवानी की हत्या का आरोप है और विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

खाद्य तेल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतें जला रही गृहिणियों का बजट

प्रयागराज। अधिक मास के चलते इन दिनों शादियों का सीजन नहीं है। रेस्टोरेंट से लेकर घरों तक में खाद्य तेल की मांग भी कम है। इसके बावजूद बाजार में सरसों से लेकर सोयाबीन तेल की कीमतों 10 से 15 रुपये प्रति लीटर और रसोई गैस के दामों में 29 रुपये की बढ़ोतरी गृहिणियों का बजट जला रही है। होटल कारोबारी पीयूष रंजन के मुताबिक, वैश्विक तनाव और युद्ध की स्थितियों के चलते खाद्य तेलों में बीते कुछ माह से अब तक 25 से 30 रुपये प्रति लीटर का उछाल आ चुका है। थोक व्यापारी सतीष केसरवानी ने बताया कि सरसों के तेल के दाम 20 मई को 15 किलो तेल का दाम 2600 रुपये के आसपास था जो अब बढ़कर 2760 रुपये हो गया है। इसी तरह 15 किग्रा वनस्पति घी 2200 का मिल रहा था उसका दाम 2300 रुपये हो गया है। वहीं, फुटकर बाजार में सरसों का तेल 185 रुपये में एक किलो मिल रहा है। कारोबारी दीपक केसरवानी के अनुसार, महीने भर पहले जो कच्ची सरसों 80 रुपये किलो थी, वह अब 94–96 रुपये पहुंच गई है। इसके चलते कोल्हू का सरसों तेल 230 रुपये से उछलकर सीधे 250 रुपये प्रति किलो हो गया है। थोक में सोयाबीन तेल 155 रुपये और पाम ऑयल 102 से उछलकर 110 रुपये प्रति पैकेट पहुंच गया है। गृहणी रुचि मालवीय ने बताया कि एक तरफ बाजार में सिलेंडर की किल्लत है और दूसरी तरफ 29 रुपये दाम बढ़ने से घर चलाना मुश्किल हो रहा है। इसी तरह उर्वशी भरद्वाज ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह एक बार में ही दाम बढ़ा दे। बार–बार कुछ दिन के अंतराल में दाम बढ़ाना ठीक नहीं है।

अधिवक्ताओं ने किया कार्य बहिष्कार, बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

प्रयागराज। अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत के बाद सोमवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सख्त रुख अपनाया। महासचिव अखिलेश कुमार शर्मा ने कहा कि दुर्घटना करने वाली गाड़ी के मालिक और समय पर इलाज न देने वाले जूनियर डॉक्टरों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल न भेजा गया तो वकील बड़ा आंदोलन करेंगे। इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इससे पहले बार के पदाधिकारियों ने शोकसभा कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पिछले दिनों स्वरूप रानी अस्पताल में अधिवक्ता जागृति शुक्ला के इलाज के लिए जूनियर डॉक्टरों और अधिवक्ताओं के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद जागृति को इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया। सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई। इस पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की लाइब्रेरी हॉल में आपातकालीन बैठक हुई। वरिष्ठ उपाध्यक्ष केके द्विवेदी ने अध्यक्षता की। संचालन महासचिव अखिलेश कुमार शर्मा ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अधिवक्ता जागृति शुक्ला के परिवार को आर्थिक सहायता के रूप में तत्काल पांच लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे।

इस दौरान उपाध्यक्ष अमित कुमार सिंह सोनू, विवेक मिश्रा, राजकुमार त्रिपाठी, हनुमान प्रसाद मिश्र, दिनेश वरुण, संयुक्त सचिव प्रेस रामेश्वर दत्त पांडेय, बैरिस्टर सिंह, शशि कुमार द्विवेदी, बिंदु कुमारी की मौजूदगी रही।

एडवोकेट एसोसिएशन ने की सख्त कार्रवाई की मांग

एडवोकेट्स एसोसिएशन ने भी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। आरोप लगाया कि अस्पताल में प्राथमिक उपचार में अनावश्यक देरी की गई। वहां मौजूद तीमारदारों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। सही इलाज न मिलने के कारण युवा अधिवक्ता का असामयिक निधन हो गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष सगीर अहमद ने प्रयागराज के पुलिस आयुक्त से अनुरोध किया है कि दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर किया जाए।

आरोपी की गिरफ्तारी तक जारी रहेगा आंदोलन

अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत के बाद अधिवक्ता रितेश श्रीवास्तव ने भी साथियों के साथ आंबेडकर चौराहे पर धरना प्रदर्शन किया। रितेश श्रीवास्तव का कहना है कि जब तक आरोपी डॉक्टरों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, धरना खत्म नहीं करेंगे। अगर इस तरह की घटना किसी डॉक्टर के साथ होती तो अभी तक वकील को गिरफ्तार कर लिया जाता। धरने में पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह, राय साहब यादव आदि शामिल हुए।

नए ट्रांसपोर्ट नगर के साथ बनेंगे तीन ट्रक टर्मिनल, नैनी में होगा लॉजिस्टिक्स पार्क

प्रयागराज। फ्रेट स्मार्ट सिटी योजना के तहत प्रयागराज में नए ट्रांसपोर्ट नगर के साथ तीन ट्रक टर्मिनल और नैनी में लॉजिस्टिक्स पार्क बनाया जाएगा। मंगलवार को मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने सिटी लॉजिस्टिक्स समन्वय समिति की बैठक में कई प्रस्तावों पर संबंधित अफसरों से चर्चा की। केंद्र सरकार ने देश में 75 शहरों को फ्रेट स्मार्ट सिटी योजना के तहत चुना है। इनमें प्रयागराज समेत प्रदेश के सात शहर शामिल हैं। योजना के तहत शहरों में वैज्ञानिक एवं कुशल फ्रेट परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। शहरों एवं शैक्षणिक संस्थानों के मध्य क्षमता विकास संबंधी सहयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा।

साथ ही सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। वहीं, फ्रेट परिवहन दक्षता के आधार पर शहरों की प्रगति के आकलन, अनुश्रवण एवं रैंकिंग के लिए विभिन्न सूचकांक (इंडिकेटर्स) भी विकसित किए जाएंगे।

बैठक के दौरान प्रयागराज में फ्रेट मूवमेंट को अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने व शहर में यातायात दबाव कम करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। अयोध्या रोड पर ट्रांसपोर्ट नगर, रीवा रोड पर ट्रक टर्मिनल–एक, कानपुर रोड पर ट्रक टर्मिनल–दो, झांसी मार्ग पर ट्रक टर्मिनल–दो और सूबेदारगंज के निकट ट्रक पार्किंग विकसित करने के प्रस्तावों पर विचार–विमर्श किया गया। इसके अलावा नैनी एवं लखनऊ रोड पर वेयरहाउस विकसित करने और लखनऊ रोड, अयोध्या रोड व मुंडेरा मंडी के समीप विभिन्न स्थानों पर कोल्ड स्टोर स्थापित करने के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। झूंसी में थोक बाजार और नैनी क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्रस्तावों का विस्तृत प्रारूप तैयार कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने को कहा।

यह है लॉजिस्टिक पार्क

लॉजिस्टिक्स पार्क एक बड़ा और आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र होता है। इसे माल या इन्वेंट्री के सुरक्षित भंडारण, प्रबंधन, पैकेजिंग व तेजी से वितरण के लिए डिजाइन किया गया है। पार्क सड़क, रेल या जलमार्ग जैसे विभिन्न परिवहन नेटवर्कों से सीधे जुड़े होते हैं जिससे सामान की आवाजाही बहुत तेज और सस्ती हो जाती है।

फ्रेट स्मार्ट सिटी से होंगे ये फायदे

– प्रयागराज में सामान की आवाजाही (माल ढुलाई) को अधिक कुशल, तेज और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकेगा।

– लॉजिस्टिक्स लागत को कम किया जा सकेगा और ट्रैफिक व प्रदूषण को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकेगा।

– फ्रेट मूवमेंट की दक्षता बढ़ेगी, आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान मिलेगी, सुरक्षित एवं सुगम शहरी वातावरण सुनिश्चित होगा।

– न्यूनतम लागत पर अधिकतम विश्वसनीयता के साथ लॉजिस्टिक्स सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

रेलमंत्री के पास पहुंचा जंक्शन के प्लेटफॉर्म की नंबरिंग का मामला

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर प्लेटफॉर्म–पांच के ठीक बाद सात आ जाना और छह नंबर का अता–पता न होना, आम मुसाफिरों के लिए मुसीबत बन गया है। अखबार ने जब इस मुद्दे को उठाया तो यह मामला रेलवे बोर्ड और रेलमंत्री के दरबार तक पहुंच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फूलपुर के विधायक दीपक पटेल ने रेलमंत्री को एक पत्र भेजा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से मांग की है कि जंक्शन पर प्लेटफॉर्मों की नंबरिंग को क्रम से किया जाए।

दूसरी ओर अखबार के इस मुद्दे को उठाने के बाद सांसद प्रवीण पटेल ने भी इस पर संज्ञान लिया है। सांसद ने कहा कि जंक्शन उन्हीं की लोकसभा में आता है। वह जल्द ही उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के महाप्रबंधक से मुलाकात कर इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए कहेंगे। कहा कि अगर छह नंबर प्लेटफॉर्म को सीधे दस नंबर कर दिया जाए तो काफी हद तक नंबरों का यह असमंजस खत्म हो जाएगा।

दरअसल जंक्शन पर किसी ट्रेन का आगमन प्लेटफॉर्म–छह पर होता है, तो यात्री स्वाभाविक रूप से पांच के बाद छह नंबर प्लेटफॉर्म को तलाशते हैं। लेकिन यहां पांच के बाद सात नंबर प्लेटफॉर्म होने से कई बार यात्रियों की ट्रेनें छूट जाती हैं।

दो लाख का इनामी बबलू ढेर

प्रयागराज। हत्या, रंगदारी, लूट और डकैती जैसे संगीन अपराधों में वांछित दो लाख रुपये का इनामी शूटर भानु प्रताप सिंह उर्फ बबलू सोमवार रात अयोध्या में प्रयागराज एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से करीब 18 राउंड फायरिंग हुई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। गोरखपुर के बेलघाट थाने के बिधनापार गांव निवासी भानु प्रताप सिंह के खिलाफ 41 मुकदमे दर्ज थे। उस पर आजमगढ़ से एक लाख, अंबेडकरनगर से 50 हजार और गोरखपुर से 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि बबलू साथियों संग अयोध्या में बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में है। इंस्पेक्टर जय प्रकाश राय के नेतृत्व में टीम अयोध्या पहुंची और महाराजगंज क्षेत्र के एमी घाट तिराहा के पास घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। रात 11 बजे बाइक से आ रहे दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर दोनों जंगल की ओर भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने एसटीएफ टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलीं। भागने के दौरान बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इसके बाद भी बदमाश फायरिंग करते हुए जंगल में भागने लगे। मुठभेड़ में गोली लगने से बबलू घायल होकर गिर पड़ा, जबकि साथी मौके से भाग निकला। एसटीएफ टीम ने घायल बदमाश को पहले सीएचसी और फिर अयोध्या के राजर्षि दशरथ स्वायत्त राज्य चिकित्सा महाविद्यालय भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ के दौरान दो गोलियां एसटीएफ इंस्पेक्टर जय प्रकाश राय की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगीं। जैकेट के कारण वह बच गए। टीम में शामिल दरोगा रणेंद्र कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल विकास तिवारी, अजय कुमार यादव, प्रभंजन पांडेय और अजय सिंह यादव भी बाल–बाल बच गए। एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक घिरने के बाद बबलू बैग से स्टेनगन निकालने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान बाइक फिसल गई। यदि वह स्टेनगन से फायरिंग कर देता तो बड़ा नुकसान हो सकता था।

बार–बार बिजली कटौती से शहर बेहाल, हर घंटे प्रभावित रही आपूर्ति

प्रयागराज। भीषण गर्मी के बीच शहरवासियों को सोमवार को भी बिजली संकट से राहत नहीं मिल सकी। शहर के विभिन्न इलाकों में हर एक घंटे बाद आधे घंटे से लेकर डेढ़ घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित होती रही। कई क्षेत्रों में चार से पांच बार बिजली गुल होने से लोगों को पेयजल संकट, उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। तेलियरगंज, सलोरी, गोविंदपुर और छोटा बघाड़ा, दारागंज, बक्सी बांध, अल्लापुर, अलोपीबाग, राजापुर, कटरा क्षेत्रों में रविवार रात भर आधे–आधे घंटे के अंतराल पर बिजली आती–जाती रही। लीडर रोड, कल्याणी देवी, अटाला, मिर्जा गालिब रोड, दरियाबाद, राजरूपपुर, कालिंदीपुरम, कसारी–मसारी, आनंदपुरम और चकिया क्षेत्रों में रविवार रात से ही बिजली की अनियमित आपूर्ति जारी रही। पीपलगांव, बेनीगंज, अयोध्यापुरी, खुल्दाबाद और लूकरगंज क्षेत्रों में रविवार देर रात तक तकनीकी खराबियों के कारण भी कई इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। बेली क्षेत्र के बलरामपुर फीडर और बैरहना स्थित सावित्री पार्क क्षेत्र में माधवपुर फीडर की बिजली सोमवार दोपहर करीब तीन बजे केबल बॉक्स क्षतिग्रस्त होने के कारण बाधित हो गई। राजरूपपुर क्षेत्र में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक पेड़ गिरने से दो बिजली के खंभे बुरी तरह झुक गए। पेड़ में बिजली के केबल भी फंस गए, जिससे सड़क पर आवागमन प्रभावित हो गया और मार्ग करीब दो घंटे तक अवरुद्ध रहा। सूचना पर बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू किया। इस दौरान क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रही, जिससे स्थानीय लोगों को कई घंटे तक परेशानी का सामना करना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद विभाग ने बिजली चार बजे के करीब आपूर्ति बहाल हुई।

पावर हाउस कमला नेहरू रोड उपकेंद्र 11 केवी लीडर रोड पोषक से जुड़े 630 केवीए मालगोदाम–2 ट्रांसफार्मर पर एबी केबल लगाई जाएगी। इस कारण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक बाधित रहेगी।

मुख्य अभियंता ने बमरौली उपकेंद्र का किया निरीक्षण

बमरौली बिजली उपकेंद्र का मुख्य अभियंता ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपकेंद्र की बिजली आपूर्ति व्यवस्था, उपकरणों की स्थिति एवं संचालन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इसके उपरांत मुख्य अभियंता की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें बमरौली क्षेत्र के अधिशासी अभियंता तथा सभी उपखंड अधिकारियों ने भाग लिया।

पंचायत भवन जर्जर, स्थिति बदहाल

प्रयागराज। क्षेत्र में लाखों की लागत से बना पंचायत भवन जर्जर अवस्था और बदहाल स्थिति में है। समस्या के समाधान के लिए ग्रामीण पंचायत भवन जाते हैं तो निराश होकर लौटना पड़ता है क्योंकि वहां सचिव और डाटा ऑपरेटर मौजूद नहीं रहते हैं। ग्रामीणों को समस्या के समाधान के लिए 25 किलोमीटर दूर शंकरगढ़ ब्लॉक जाना पड़ता है। खंड विकास अधिकारी शंकरगढ़ मनोज सिंह से इस मामले में संपर्क नहीं हो सका। ग्राम सचिव अमित कुमार वर्मा ने बताया कि मेरी लगभग 6 माह से मेरी नारीबारी ग्राम सभा में नियुक्ति हुई है। पूर्व प्रधान रघुवेंद्र शुक्ला ने बताया कि पहले अंबेडकर सामुदायिक भवन बना था, जहां अब पंचायत भवन का कार्य होता है। आंधी में भवन में लगी खिड़की क्षतिग्रस्त हो गई और ताजी मिट्टी की वजह से भवन की टाइल्स दब गई है।

संक्षिप्त

नर्स को ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचला, ड्यूटी से लौट रही थी युवती

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के दुबग्गा इलाके में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 26 वर्षीय नर्स की मौत हो गई। ड्यूटी खत्म कर घर लौट रही युवती को मौरंग से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली ने टक्कर मार दी। हादसे के दौरान ट्रॉली पलट गई और युवती उसके नीचे दब गई। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान साधना (26) पुत्री राम विशुन निवासी पनापुर कलां लगलेसरा, जनपद उन्नाव के रूप में हुई है। वह दुबग्गा स्थित विकल्प अस्पताल के नर्सिंग विभाग में कार्यरत थीं। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे शिफ्ट बदलने के बाद साधना पैदल अपने घर जा रही थीं। जॉगर्स चौराहे पर सड़क पार करते समय मौरंग से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली (नंबर यूपी 32एलपी 1910) की चपेट में आ गईं। टक्कर लगते ही ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई और साधना उसके नीचे दब गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू कर युवती को बाहर निकाला और उपचार के लिए विकल्प अस्पताल पहुंचाया। हालांकि सिर और पैरों में गंभीर चोटें आने के कारण उनकी जान नहीं बच सकी। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही दुबग्गा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। ट्रैक्टर–ट्रॉली को कब्जे में ले लिया गया है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद मृतका के परिवार को सूचना दे दी गई है।

भीषण गर्मी में नहीं मिल रहा पीने का पानी, गुस्साए लोगों ने जलकल कार्यालय घेरा

लखनऊ (संवाददाता)। भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत से जूझ रहे लाल बहादुर शास्त्री द्वितीय वार्ड के लोगों के सब्र का बांध टूट गया। गुस्साए लोगों ने पार्षद संग आज जलकल कार्यालय (जल संस्थान) का घेराव किया है। नगर निगम और जलकल के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अधिकारियों ने समस्या का समाधान कराने का आश्वासन देरक उन्हें शांत कराया। लोगों ने कहा कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं होगा तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इसका जिम्मेदार नगर निगम और जलकल के अधिकारी होंगे। शक्ति नगर तिकोनिया गार्डन और ए–ब्लॉक सचिवालय कॉलोनी के लोग जलकल कार्यालय पहुंचे। जल संस्थान का घेराव करके नारेबाजी शुरू कर दी। स्थानीय निवासियों और पार्षद भूपेंद्र कुमार शर्मा ने अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए क्षेत्र में पानी की गंभीर स्थिति से अवगत कराया। क्षेत्र में जलापूर्ति को तुरंत सुचारु करने की मांग की। घेराव के दौरान पार्षद भूपेंद्र कुमार शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से नागरिकों को वंचित रखना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। क्षेत्रवासियों को पर्याप्त और नियमित पानी उपलब्ध कराना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है, जिसका हर हाल में निर्वहन होना चाहिए। पार्षद ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही पानी की इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। क्षेत्रवासियों को नियमित रूप से पानी नहीं मिला, तो वे जनता के हित में क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर उग्र धरना–प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में गिरी फॉल सीलिंग, टली बड़ी दुर्घटना

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में मंगलवार को फॉल सीलिंग का एक हिस्सा अचानक गिर गया। घटना उस समय हुई जब इमरजेंसी वॉर्ड में फायर सेफ्टी से जुड़ा काम चल रहा था। हालांकि, हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल जरूर खड़े हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक इमरजेंसी वार्ड में उस समय करीब 9 मरीज भर्ती थे। सीलिंग गिरने के बाद एहतियातन वार्ड को खाली करा दिया गया। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन और कर्मचारियों में कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल रहा। सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवेश चंद्र पांडेय ने बताया कि इमरजेंसी में फायर सेफ्टी का काम चल रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर वार्ड को पहले से ही खाली करा लिया गया था। घटना में किसी मरीज या कर्मचारी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। तीन दिन पहले गोरखपुर के ठत्क मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भी पहली मंजिल के एक वॉर्ड में प्रसूता और नवजात के पास फॉल सीलिंग गिर गई थी। उस घटना में भी बड़ा हादसा होते–होते टल गया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने सरकारी अस्पतालों में भवनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

मिशन शक्तिः बदली बेटियों की तस्वीर

लखनऊ (संवाददाता)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर 2017 से पहले राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय रहने वाला उत्तर प्रदेश महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित मिशन शक्ति अभियान ने प्रदेश में नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई दिशा दी है। मिशन शक्ति अभियान सामाजिक परिवर्तन और महिला सशक्तीकरण का प्रभावी मॉडल बनकर उभरा है। महिला सशक्तीकरण की अवधारणा को नई दिशा देते हुए सुरक्षा, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व विकास को एक सूत्र में पिरोया है। मिशन शक्ति के माध्यम से प्रदेश की लाखों बेटियों को न केवल सुरक्षित वातावरण मिला, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने, नेतृत्व करने और अपने अधिकारों के प्रति सजग होने के अवसर प्राप्त हुए। यही विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में व्यापक स्तर पर आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए। 10 लाख से अधिक बालिकाओं को जूडो–कराटे एवं सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। श्एक दिन की अधिकारीश कार्यक्रम के माध्यम से 89 हजार से अधिक बालिकाओं को प्रशासनिक जिम्मेदारियों का अनुभव कराया गया। मीना मंच, मीना दिवस, जनसंवाद, रैलियों और नुक्कड़ नाटकों ने महिला सशक्तीकरण के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया। महिलाओं और बालिकाओं को आर्थिक और डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया।

सिंधौर के युवाओं के जज्बे को सलाम- आशुतोष गिरि

मुन्ना इलेवन ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल

प्रतापगढ़। आजाद स्पोर्टिंग क्रिकेट क्लब सिंधौर के तत्वावधान में आयोजित नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच मुन्ना इलेवन ने जीतकर खिताब अपने नाम करते हुए पंद्रह दिवसीय ऐतिहासिक टूर्नामेंट के समापन समारोह में निर्धारित 15000 रुपए की पुरस्कार धनराशि पर अपना कब्जा किया। फाइनल मैच के आरम्भ के समय पूरा एक एक व्यक्ति ने राष्ट्र गान के स्वर से पूरा स्टेडियम गुंजायमान करते हुए राष्ट्रभक्ति के रंग में सबको सराबोर किया। अतिथियों द्वारा परिचय के पश्चात फाइनल मैच का आगाज हुआ।गुलरिहा रसूलपुर की हमजा इलेवन टीम ने निर्धारित आठ ओवर में मुन्ना इलेवन के सामने 69 रन का स्कोर खड़ा किया। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखते हुए रात एक बजे तक सिंधौर स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा रहा। दर्शकों की उत्सुकता ऐसी थी कि एक एक गेंद और एक एक रन पर सबकी निगाहें लगातार टिकी रहीं। शुरुआत में मुन्ना इलेवन टीम दबाव में आ चुकी थी लेकिन ओपनर बल्लेबाज रवी और सोनू अली ने धैर्य के साथ चार ओवर तक खेलते रहे।चार ओवर के बाद इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने आतिशी बल्लेबाजी से छक्के और चौके लगाते हुए मैच को अपने पक्ष में कर लिया और अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर मुन्ना इलेवन ने 69 रन का लक्ष्य प्राप्त करते हुए सिंधौर क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्राफी अपने नाम किया। इस मैच के दौरान आतिशबाजी का क्रम लगातार चलता रहा और जैसे ही मैच फाइनल हुआ आसमान को गोले और पटाखे छूने लगे। यद्यपि टूर्नामेंट बहुत ही सौहार्द और अनुशासन के साथ लगातार पंद्रह दिनों तक चलता रहा इसके बावजूद पुलिस प्रशासन टीम ने अपना सहयोग और योगदान प्रदान करने में कोई कसर नहीं की। समापन समारोह में विजेता टीम को पंद्रह हजार और उपविजेता टीम को दस हजार प्रदान किया गया। आयोजक मण्डल के सक्रिय पदाधिकारी गुफरान खान,हमजा खान, असगर खान, फिरोज खान, प्रदीप तिवारी, अमित तिवारी, असगर खान आदि के द्वारा खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु अनेकानेक गिफ्ट और उपहार का पूर्व प्रबंध क्रम में मुख्य अतिथि आशुतोष गिरि ष्दीपकष ने शील्ड और ट्राफी प्रदान करते हुए पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारम्भ किया।अतिथगण राम औतार

वर्मा,संदीप मिश्रा, विकास पाण्डेय ने भी एक एक खिलाड़ी का सम्मान करते हुए मेडल पहनाकर उपहार आदि भेंट किये। निर्णायक की भूमिका में फरमान खान और सुनील मिश्रा तथा कमेंटेटर की भूमिका में विकास पाण्डेय,मोनू मिश्रा, एडवोकेट अशफाक खान,प्रदीप तिवारी ने अपना बेहतरीन योगदान प्रदान किया।इस फाइनल में हजारों दर्शक एकटक मैच का आनंद लगातार प्राप्त करते रहे। मैन आफ दि सिरीज के रुप रंजीत राजपूत को फर्राटा पंखा का पुरस्कार प्रदान किया गया।मैन ऑफ मैच सोनू अली रहे।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि आशुतोष गिरि दीपक की कवि अंदाज पंक्तियों –यहाँ कोई विराट कोहली तो कोई यूसुफ पठान दिख रहा है।न हिंदू न मुसलमान यहां केवल इंसान दिख रहा है।हमजा, बबलू, गुफरान टीम के जजबे को सलाम करता हूँ, क्योंकि इनकी बदौलत सिंधौर की सरजमीं पर सारा हिंदुस्तान दिख रहा है।पर पूरा प्रांगण तालियों से गुंजायमान हुआ।संदीप मिश्रा ने इस टूर्नामेंट को प्रेम सौहार्द और अनुशासन स्थापित करने का आधार स्तंभ बताया।

इस टूर्नामेंट में संरक्षक फारूक खान कोटेदार,मो ईसा खान,डा मो शफीक खान व अन्य गणमान्य क्षेत्रवासियों ने अपना अपना योगदान प्रदान किया। गुफरान खान ,हमजा खान ,फिरोज खान, बबलू भाई,अमित तिवारी आदि ने इस ऐतिहासिक आयोजन मे प्राप्त सहयोग के लिए सबके प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि आप सबके सहयोग और उपस्थिति से हम सब आह्लादित हैं गदगद हैं।

भयहरणनाथ धाम में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन शुरू

भागवत भूषण विजय कांत तिवारी महाराज के मुखार बिंदु से बह रही भक्ति रसधारा

प्रतापगढ़। सनातन धर्म की धार्मिक परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अधिकमास के अवसर पर प्रसिद्ध पांडव कालीन श्री भयहरणनाथ धाम में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा प्रारम्भ हुआ।

कथा व्यास भागवत भूषण पं. विजय कांत तिवारी जी महाराज द्वारा श्री भागवत कथा प्रारंभ की गई। धाम के महासचिव समाज शेखर ने धर्म पत्नी प्रीति समाज के साथ मुख्य यजमान के रूप में श्री भागवत व भोले नाथ का पूजन कर कथा का शुभारंभ किया।

श्री मद भागवत कथा 9 जून से 15 जून 2026 तक धाम परिसर में प्रतिदिन सांय 4.30 बजे से 8.30 बजे तक आयोजित

महासचिव समाज शेखर ने सपत्नीक मुख्य यजमान के रूप में श्री भागवत व भोले नाथ का पूजन कर किया शुभारंभ

है। कथा के दौरान महाराज जी ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, धर्म, भक्ति व मोक्ष पर संगीत मय भक्ति रस धारा बहाई। पूरा धाम परिसर भागवत मय हो गया।

कथा के संयोजक संस्थान के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि भयहरणनाथ धाम की 200 वर्ष पुरानी परम्परा को अक्षुण्ण रखने हेतु यह आयोजन किया जा रहा है। संस्थान विगत 26 वर्षों से धाम की सेवा व संरक्षण में निरन्तर लगा हुआ है। आयोजन समिति व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र ने क्षेत्र की समस्त धर्मप्रेमी जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नवल किशोर मिश्र, रमा शंकर मिश्र, राजीव नयन मिश्र, शत्रुघन सिंह, प्रेम चंद्र अग्रहरि, राजेंद्र पटेल, चिंता मणि त्रिपाठी, सच्चिदानंद पांडेय, शिव गोबिंद शर्मा, प्रेम चंद्र मल्हु, अकबर अली, राकेश यादव, अमर चंद्र मौर्य आदि शामिल रहे।

सिपाही भर्ती परीक्षा देने आई 2 महिला यात्रियों से अभद्रता करने वाला ऑटो चालक गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में परीक्षा देने जा रही दो युवतियों के साथ यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने सोमवार की देर रात पारा थाना क्षेत्र में एक ऑटो चालक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मंगलवार को इसकी जनकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की यह गिरफ्तारी पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के बाद की गई। सोमवार देर रात पुलिस ने एक बयान जारी कर बताया कि सोमवार सुबह आरोपी ऑटो चालक ने चारबाग बस अड्डे के पास से दो युवतियों को आलमबाग जाने के लिये अपने ऑटो–रिक्शा में बिठाया। बयान में कहा गया है कि चालक ने आलमबाग की तरफ जाने के बजाय, वह उन्हें पारा थाना क्षेत्र के रामलीला ग्राउंड के पास एक सुनसान इलाके में ले गया और उनके साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया। इसमें कहा गया है कि जब उन्होंने इसका विरोध ा किया, तो आरोपी ने उन्हें मारा–पीटा और उनके साथ गाली–गलौज की। बयान में कहा गया है कि मार पीट में महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। बयान में कहा गय है कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, सूचना के आधार पर जब पुलिस टीम ने आरोपी के रिक्शे को रोकने का प्रयास किया, तो उसने जान से मारने की नीयत से पुलिस दल पर गोली चला दी। बयान में कहा गया है कि पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गयी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार के लिये रानी लक्ष्मी बाई अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल ऑटो–रिक्शा, एक देसी पिस्तौल और कारतूस एवं खोखा बरामद किए हैं। पुलिस ने

बताया कि गिरफ्तार अपराधी की पहचान हसीब के रूप में हुई है, जो हरदोई जिले के सांडीला थाना क्षेत्र का निवासी है। पूछताछ के दौरान पता चला कि हसीब आदतन अपराधी है। इसमें कहा गया है कि 2024 में भी हसीब ने हरदोई जिले के सांडीला थाने में इसी तरह का अपराध किया था, जहां उसने एक महिला को ऑटो–रिक्शा में बिठाया और सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था । पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

केजीएमयू के स्विमिंग पूल में डॉक्टरों ने किया जल योग,विशेषज्ञों ने कराया अभ्यास

लखनऊ (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत केजीएमयू परिसर में मंगलवार को विशेष जल योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्विमिंग पूल में डॉक्टरों, योग प्रशिक्षकों और छात्रों ने पानी के भीतर विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। इस मौके पर लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। डॉ.अमरजीत यादव ने बताया कि प्लाविनी प्राणायाम योग की एक विशेष तकनीक है।

चाँदनी जिसको कहते

(कुण्डलिया)

अद्भुत है पाकीज़गी,जीने का अन्दाज़।
खिलती है जब चाँदनी, लाती मधुर रिवाज़।
लाती मधुर रिवाज़, प्रेम को परिभाषित कर।
जीवन का हर राज, खोलती आकर्षित कर।
सुन लो कहें प्रदीप,करे जब खुद को प्रस्तुत।
कहते हैं तब सभी, फूल का जीवन अद्भुत।।

औषध ही औषध भरे, पौधा झाड़ीदार।
सेवा को हरिमन्त्र कह,निर्मल रखे विचार।
निर्मल रखे विचार, जीव का साथी बनके।
मोहक मोहन गात, चाँदनी जिसको कहते।
सुन लो कहें प्रदीप,क्रोध का करके यह वध।
भरता है मुस्कान, दिलों का बनकर औषध।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

वस्त्र पाकर खिले चेहरे

प्रतापगढ़। बाबागंज ब्लाक के मनगढ़ ग्राम सभा में आज कपड़ा बैंक के तत्वाधान में 3000 से अधिक वस्त्रो का वितरण मुसहर बस्ती में शिक्षक आलोक कुमार सिंह द्वारा किया गया शिक्षक आलोक कुमार सिंह ने बताया कि कपड़ा बैंक लगातार 17 वर्षों से कार्य कर रहा है जिसके माध्यम से साढे आठ लाख से अधिक जरूरतमंदों को अब तक वस्त्र प्रदान किया जा चुके हैं उसी क्रम में आज मनगढ़ ग्राम सभा की मुसहर बस्ती में रहने वाले 100 से अधिक बुजुर्गों महिलाओं और बच्चों को शर्ट पैंट साड़ी इत्यादि कपड़ों का वितरण किया गया इस मौके पर वहां उपस्थित सभी लोगों ने शिक्षक का धन्यवाद देते हुए कहा कि आप द्वारा या पुनीत कार्य हम लोगों के जीवन में खुशहाली बनाकर लाया है वस्त्र प्रकार बस्ती की लोगों के चेहरे खिल गए और उन्होंने प्रसन्नता पूर्वक शिक्षक का सम्मान करते हुए कहां की आप जैसा शिक्षक समाज में एक परिवर्तन लाने का कार्य करता है जिससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए इस मौके पर विक्रम सिंह त्रिलोचन सिंह गिरिराज देवी ईशान्वी सिंह सहित तमाम ग्रामवासी मौजूद रहे

श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में भंडारा

लखनऊ (संवाददाता)। मंगलवार को चौक कोतवाली स्थित श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में छठे बड़े मंगल पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिर को फूलों से सजाया गया। सुबह बजरंगबली को सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाया गया। मंदिर के महंत विशाल गौड़ ने भक्तों को बताया कि यह पर्व भगवान हनुमान जी की कृपा पाने के लिए पूरे प्रदेश में उत्साह के साथ मनाया जाता है। हनुमानजी की पूजा और साधना से अमरत्व का आशीर्वाद मिलता है। प्रतिदिन शिवलिंग पर जलाभिषेक करने और हनुमानजी की पूजा अर्चना करने से सकारात्म ऊर्जा का निर्माण होता है और जीवन से नकारात्म शक्तियों का हास होता है। महंत विशाल गौड़ ने बताया अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ धार्मिक शिक्षाओं का ज्ञान भी देना चाहिए ताकि वह अनुचित रास्त पर न जाकर सदमार्ग पर चलकर अपना व अपने देश का भला करें। इस अवसर पर महंत विशाल गौड़ के नेतृत्व में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे में प्रसाद वितरण किया गया। महंत जी ने स्वयं सेवा करते हुए छोला भटूरा, छोला चावल, पूड़ी सब्जी, छाछ और शिकंजी का वितरण किया। इस आयोजन में मंदिर ट्रस्ट के सदस्य और स्थानीय लोगों ने सहयोग किया। शाम को भव्य आरती और कीर्तन हुआ जिसमें स्थानीय लोग शामिल हुए।

राजधानी में बड़े मंगल पर भव्य भंडारों का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में आज बड़ा मंगल का उत्सव है। भोर से ही बजरंगबली के मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगी है। अलीगंज प्राचीन मंदिर, पुराने हनुमान मंदिर, हनुमान सेतु, हनुमंतधाम, गुलाचीन, लेटे हनुमान मंदिर, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर सहित सभी मंदिरों में भजन बज रहे हैं। अलीगंज प्राचीन हनुमान मंदिर में भक्तों ने दर्शन के बाद गाय को प्रसाद खिलाया। महिलाओं ने पूजा करने के बाद हनुमान चालीसा पढ़ी। एक भक्त 1200 किमी दूर हैदराबाद से बड़ा मंगल पर दर्शन करने लखनऊ आया है। आज शहर की लगभग हर गली में भंडारे के टेंट–शामियाने लगे हैं। दोपहर बाद पूड़ी–सब्जी, शर्बत, आइस्क्रीम आदि के भंडारे शुरू हो गए। गोमतीनगर में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी की ओर से भंडारा कराया गया है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 3420262027 दिनांक: 05.06.2026

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर **दिनांक 29.06.2026** को **13:30 बजे** तक आंमत्रित की जाती है। कार्यो का विवरण निम्न प्रकार हैः-

क्र.सं.: 1	निविदा सं.: 95
कार्य का विवरण: सहायक मण्डल इंजीनियर/फिरोजाबाद के अन्तर्गत बी0सी0एम0 पूर्व और पश्चात कार्य तथा अन्य संबद्ध पीवे का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 66021903.94	**अग्रिम धनराशि मूल्य (रू):** ₹ 1320400.00
कार्य समापन की अवधि: 12 माह	**निविदा खुलने की तिथि: 29.06.2026**
पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: कोई भी पी.वे. का कार्य।	

नोटः- (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर **समय 13:30 बजे** तक निविदा खुलने की तिथि **दिनांक 29.06.2026** तक उपलब्ध है। निविदा खोलने की नियत तारीख को **15:00 बजे** या उसके बाद खोला जाएगा। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T.Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है, तो उस पर विचार नही किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) सभी निविदादाता **निविदा संख्या 95** जिसमें निविदा का मूल्य **रू0 50 लाख** से ज्यादा है के लिए Annexure-V & V(A) (Document Verification Certificate) की आवश्यकता है। माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (5) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in** पर भी अपलोड कर दिया गया है। (6) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (7) आनलाइन निविदा **दिनांक 29.06.2026 को 13:30 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। (8) ई-टेण्डर फार्म सभी निविदाकारों का मुफ्त जारी किए जाएंगे। (9) **निविदा संख्या 95** के लिए निविदादाता को जी.सी.सी. - 2022 (वर्कस मामले भाग-1) के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में आवश्यक दस्तावेजों का निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। **1282/26 (A)**

f North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

प्रतिरोध के तेवर

मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आभासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर–मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर–मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतरूस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं को रोजगार न मिलने का आरोप भी लगाया। पार्टी का मानना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने में तो नाकाम रही ही है, लेकिन उन परीक्षाओं को भी पारदर्शी ढंग से आयोजित नहीं कर पा रही है, जो देश के लाखों युवाओं का भविष्य तय करते हैं। यह भी कि व्यवस्था की विफलता से लाखों युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं। राजनीति के पंडित जंतर–मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन जी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अशांत कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति,जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जीव कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त असहमति को शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार किया जाए। कहा जा रहा है कि कॉकरोच आंदोलन ने लोकतंत्र के सभी हितधारकों मसलन राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, न्यायपालिका तथा मीडिया को आत्मनिरीक्षण का मौका दिया है।

चुनाव सुधार के लिए लोकतांत्रिक ताकतों को जोरदार संघर्ष शुरू करना होगा

नीलोत्पल बसु

बिहार में चुनाव आयोग के एसआईआर आदेशों के खिलाफ याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि आयोग को अपने संवैधानिक अधिकार के तहत नागरिकता की सीमित जांच करने का अधिकार है, ताकि वह मतदाता सूची में शामिल होने की पात्रता के बारे में खुद को संतुष्ट कर सके। यह आदेश भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की बेंच ने दिया। शीर्ष अदालत ने माना कि चुनाव आयोग की शक्ति उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी से आती है, जिसके तहत उसे सही मतदाता सूची बनाए रखनी होती है और यह सुनिश्चित करना होता है कि केवल योग्य व्यक्ति ही वोट देने के हकदार हों। साफ है कि शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को बहुत व्यापक अधिकार दिए हैं। अदालत ने सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के तर्कों की जांच करने की भी जहमत नहीं उठाई। आयोग का कहना था कि एसआईआर कोई नई चीज नहीं है और यह उन व्यापक सिद्धांतों पर आधारित है जिनके आधार पर 2002–03 में बिहार और बाद में देश के अन्य हिस्सों में मतदाता सूचियां तैयार की गई थीं। याचिकाकर्ताओं के कड़े सवालों पर चुनाव आयोग ने यह भी माना था कि आयोग 2002–03 के मूल आदेश और उस समय अपनाई गई प्रक्रियाओं की जानकारी देने की स्थिति में नहीं है। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के व्यापक अधिकार ने चुनाव आयोग की जवाबदेही खत्म कर दी है और न ही यह पारदर्शिता बनाए रखने की जरूरत पर जोर देता है। इस बुनियादी कानूनी सिद्धांत को नजरअंदाज कर दिया गया है कि न्यायिक और अर्ध–न्यायिक प्रक्रियाएं न केवल निष्पक्ष होनी चाहिए, बल्कि निष्पक्ष दिखनी भी चाहिए। यह बात शुरू से ही साफ थी कि चुनाव आयोग को ऐसी पारदर्शिता की कोई परवाह नहीं थी। आयोग ने नाम हटाने की सूची तो दूर, इसके कारण भी नहीं बताए थे। इससे भी अहम बात यह है कि आयोग ने सार्वजनिक जांच के लिए नाम हटाने की सूची डिजिटल या मशीन–रीडेबल फॉर्मेट में देने से इंकार कर दिया। आयोग ने इस अहम सवाल का जवाब भी नहीं दिया। ऐसी स्थिति में यह मान लेना सही होगा कि यह सार्वजनिक जांच के प्रति जवाबदेह होने की कोई चिंता न होने का सुबूत था। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय को यह पता था कि चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने में अंतिम भूमिका संवैधानिक रूप से नहीं दी जा सकती। इसलिए, न्यायालय ने निर्देश दिया कि अगर आयोग को यह नहीं लगता कि कोई व्यक्ति नागरिकता के आधार पर मतदाता सूची में शामिल होने की कानूनी शर्तों को पूरा करता है, तो उसे यह मामला कानून के अनुसार फैसला करने के लिए केंद्र सरकार के सक्षम अधिकारी को भेजना चाहिए। इस निर्देश का समर्थन करते हुए, न्यायालय ने कहा कि श्आयोग का फैसला केवल चुनावी उद्देश्यों तक सीमित है, इसलिए नागरिकता के सवाल पर इसे अंतिम नहीं माना जा सकता। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 16 का हवाला देते हुए, न्यायालय ने कहा कि वोट देने का अधिकार केवल नागरिकों को ही दिया गया है। इसलिए, मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए नागरिकता एक जरूरी शर्त है। इसलिए, चुनाव आयोग एक सही मतदाता सूची बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी तब तक पूरी नहीं कर सकता जब तक वह खुद यह पक्का न कर ले कि उसमें शामिल लोग इस जरूरी शर्त को पूरा करते हैं। अपनी बात खत्म करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 16 के तहत कानूनी जरूरतों को देखते हुए, आयोग को मतदाता सूची तैयार करते या उसमें सुधार करते समय नागरिकता से जुड़े सवालों की जांच करने का अधिकार है। हालांकि, ऐसी जांच केवल मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने के नजरिए से ही की जा सकती है, और यह जांच उस मतदाता के पक्ष में बनी धारणा को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए जिसका नाम पहले से ही सूची में है। इसी सीमित कानूनी दायरे में आयोग चुनावी उद्देश्यों के लिए फैसला लेने के लिए अपने सामने मौजूद जानकारी का आकलन करता है। अहम बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है, जिससे यह पक्का होता है कि जांच कानून के अनुसार और प्रक्रियात्मक निष्पक्षता के दायरे में की जाए। चुनाव आयोग को क्लीन चिट देने और श्आयोग ने अपनी कानूनी शक्तियों से ज्यादा काम किया हैश वाली दलील को खारिज करने के बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने असल में और ज्यादा उलझन और विरोधाभास पैदा किया है, जो हमारे गणतंत्र के संविधान के बुनियादी सिद्धांतों पर असर डालता है। हमारे संविधान–निर्माण के इतिहास को ध्यान से पढ़ने पर यह साफ हो जाता है कि एक स्वतंत्र, लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र के तौर पर, हमें वोट देने का संवैधानिक अधिकार हमारी चुनावी व्यवस्था की नींव के तौर पर मिला था। मुख्यरूप से इसी वजह से, पहले चुनाव आयोग के समय से ही, हमने मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने की जिम्मेदारी कभी भी आम नागरिक पर नहीं डाली है। यह हमेशा चुनाव आयोग या उसके प्रक्रियात्मक ढांचे और प्रबंधन की जिम्मेदारी रही है कि वे इसे पक्का करें। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय को लग सकता है कि चुनाव आयोग के पास एसआईआर कराने की कानूनी शक्तियां हैं, लेकिन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बागची उस जरूरी संवैधानिक अधिकार पर पूरी तरह चुप हैं जो हर नागरिक को वोट देने का हक देता हैकृ एक ऐसा अधिकार जिसे खुद संविधान में लिखा गया है और जिसे अलग–अलग बेंचों ने बार–बार मजबूत किया है। ये सवाल इसलिए अहम हो जाते हैं क्योंकि हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 27 लाख मतदाताओं को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया गया था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि चुनाव आयोग ने जो समय–सीमा तय की थी और विवादित कानूनी व संवैधानिक सवालों को सुलझाने के लिए उसके पास जो प्रक्रियाएं थीं, वे नाकाफी थीं।

आखिरकार, सर्वोच्च न्यायालय को ही इन विवादों के लिए न्यायिक ट्रिब्यूनल बनाने का सुझाव देना पड़ा। हालांकि, एक ट्रिब्यूनल के प्रमुख और कोलकाता हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश को साफ–साफ कहना पड़ा कि श्सभी आवेदनों पर फैछ्सला करने में कम से कम चार साल लगेंगे।श अफसोस की बात है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश में इस स्थिति पर ध्यान नहीं दिया गया। नागरिक के संवैधानिक अधिकार पर उतना धयान नहीं दिया गया, जितना उसे मिलना चाहिए था। अब यह देखा जा रहा है कि समय के साथ, खासकर 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से, हिंदुत्व को भारतीय राज्य की प्रमुख विचारधारा के तौर पर आगे बढ़ाया गया है। यह सोचना नादानी होगी कि देश में कार्यपालिका और विधायिका के उलट, न्यायपालिका इस वैचारिक रुझान से अछूती रहेगी। भारतीय संविधान हमेशा से अधिकारों पर आधारित रहा है, और सर्वोच्च न्यायालय उन संवैधानिक अधिकारों का अंतिम संरक्षक रहा है। भारतीय मीडिया के कुछ हिस्सों में ऐसी खबरें हैं कि आरएसएस नेतृत्व वाला अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद भारतीय अदालतों में बेंच और बार के बीच अपना प्रभाव लगातार बढ़ा रहा है।

जाहिर है, यह घटनाक्रम गणतंत्रात्मक संविधान को खोखला करने और जमीनी स्तर पर नागरिकों के अधिकारों पर आधारित लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय, केंद्रीकृत सत्ता को मजबूत करने वाली भारतीय न्याय–प्रणाली के लिए जगह बनाने की कोशिश है। समझदार पाठकों के लिए यह काफी संकेत है। इसलिए, सार्वभौमिक मताधिकार को छीनने की कोशिशों का मुकाबला चुनावी सुधारों के लिए लंबे संघर्ष से किया जाना चाहिए, ताकि बिना किसी डर या पक्षपात के मतदान करने के संवैधानिक अधिकार को बचाया जा सके।

देश गंभीर स्थिति में इंडिया की बैठक पर सबकी निगाह

शकील अख्तर

इंडिया गठबंधन की इस बैठक पर सबकी निगाहें लगी हुई है। लंबे समय बाद हो रही है। लेकिन सही समय पर। इस समय विपक्ष के सभी दलों को एक दूसरे की सख्त जरूरत है। भाजपा ने जिस तरह तृणमूल कांग्रेस तोड़ी है उससे डर का माहौल इतना ज्यादा है कि कोई भी दल खुद को अटूट नहीं बता पा रहा है। दूसरी तरफ डर मोदी जी को भी है। जिस तरह वे चारों तरफ से घिरे हुए हैं और स्टूडेंट एवं युवा सड़क पर आ गए हैं उससे उन्हें डर है कि इसका फायदा विपक्ष को खासतौर से कांग्रेस को नहीं मिल जाए। विपक्षी एकता कितनी घातक होती है उनके लिए ये वे 2024 लोकसभा चुनाव में देख चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शब्दों में 80 से ज्यादा सीटों पर मोदी चुनाव आयोग की मदद से जीते हैं। अगर चुनाव में धांधली नहीं होती तो मोदी जी सरकार नहीं बना सकते थे। इतनी गड़बड़ियों के बावजूद भी इंडिया गठबंधन की ताकत इतनी थी कि वे बहुमत नहीं पा सके। चार सौ के दावे कर रहे थे। 240 पर रुक गए। 2024 के बाद से ही मोदी अपनी पुरानी धमक वापस नहीं पा सके हैं। और अब तो राहुल ने बाकायदा सार्वजनिक घोषणा कर दी है कि एक साल में मोदीजी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे।

बहुत बड़ी बात है। मोदीजी के खेमे में हलचल मची हुई है। यहां एक बात समझना जरूरी है कि 2024 के बाद भाजपा और संघ में मोदी जी पहले वाले नहीं रहे हैं। राहुल के ही शब्दों में ढाई–तीन साल पहले मोदीजी का फुल कंट्रोल था। आज वह खत्म हो गया। उनके यहां से मेरे पास सारी खबरें आ रही हैं। सरकार की हर संस्था से। मोदीजी का कोई कंट्रोल नहीं बचा। एक साल में चले जाएंगे। राहुल ने इतनी बड़ी बात कह दी। मगर आश्चर्यजनक यह है कि सरकार, भाजपा या गोदी मीडिया की तरफ से भी इसका कोई बड़ा प्रतिवाद नहीं किया गया। नहीं तो पहले राहुल के कुछ बोलते ही पूरा सिस्टम उन पर टूट पड़ता था। लेकिन लगता है कि राहुल ने बात तो मोदी के सरकार पर कंट्रोल खोने की की है मगर नियंत्रण पार्टी और संघ पर भी कमजोर हो गया है। ऐसे में मोदी की तरफ से स्ट्रटेजी चेंज हुई है। और वे इंडिया गठबंधन में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक से ठीक पहले जनता दल यू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा से कहलवाया गया है कि नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन का संयोजक नहीं बनने दिया। बहुत सही किया। नहीं तो नीतीश कुमार अपने साथ इंडिया गठबंधन को भी बेच आते। मगर संजय झा ने जिस तरह कहा है वह इसलिए है कि सोमवार 8 जून जब आप यह पढ़ रहे होंगे उस समय इंडिया गठबंधन की बैठक में यह विवाद पैदा हो। और आपस में लड़ें कि नीतीश को इसने नहीं बनने दिया था, उसने नहीं। लेकिन संजय झा और भाजपा भूल गए कि कई ठोकर खाए इंडिया गठबंधन के दल यह समझ गए हैं कि उन्हें लड़ाने के लिए यह सब गैर जरूरी मुद्दे उठाए जा रहे हैं। नीतीश अब अप्रसांगिक हो गए हैं। उन्हें नहीं बनाया तो यह बहुत अच्छा ही किया। भारतीय राजनीति के सबसे विश्वासघाती चेहरे हैं वह। मोदी जी को भी धोखा दिया। उन्हें तो खाने की दावत देकर सामने से थाली खींच ली थी। मगर मोदीजी ने उनका इलाज सही तरीके से कर दिया। वह कहां हैं क्या उनकी हैसियत है किसी को नहीं मालूम। पार्टी खतम हो गई है और सारे नेता मोदीजी को खुश करने में लगे हुए हैं। इसी सिलसिले में संजय झा ने ममता बनर्जी और अरविन्द केजरीवाल पर सवाल उठाए। ममता इंडिया गठबंधन की बैठक में आ रही हैं। और आम आदमी पार्टी ने जैसे पहले जब यह गठबंधन बन रहा था तो शुरूआती बैठकों में आने से इनकार किया। और फिर इसकी बढ़ती ताकत देखकर बैठकों में शामिल हुए। केजरीवाल जो सोमवार की बैठक में नहीं आएंगे उसका कोई महत्व नहीं है। इसी तरह डीएमके के नहीं आने का। गोदी मीडिया इसे बड़ी खबर बनाए हुए हैं। मगर बाकी विपक्षी दलों के लिए इसका भी कोई महत्व नहीं है। डीएमके खुद कई बार गठबंधन बदल चुकी है। अब अगर बनती हुई सरकार का कांग्रेस समर्थन नहीं करती तो क्या करती? मोदीजी को राष्ट्रपति शासन लगा लेने देती। फिर वे सबको तोड़कर अपने समर्थन की सरकार बनवा लेते। कांग्रेस ने यह नहीं होने दिया। डीएमके की तो वैसे भी सरकार नहीं बन सकती थी। हां उसके टूटने का खतरा जरूर हो जाता। एआईडीएमके पहले टूट गई। डीएमके राष्ट्रपति शासन लगाने के बाद टूट जाती। राहुल ने जनता की मर्जी के अनुरूप एक सरकार बनने दी। तमिलनाडु की जनता इससे खुश है। अब डीएमके नाराज होती है तो हो जाए उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। इंडिया गठबंधन की बैठक इन सबसे ऊपर उठकर देश के सामने मौजूदा गंभीर समस्याओं पर बात करने के लिए हो रही है। मुद्दा यह है कि मोदी जी इनसे निपटने के बदले जनता का ध्यान डाइवर्ड करने की छोटी कोशिशों में अटके हुए हैं। ट्रंप द्वारा किया जा रहा बार–बार अपमान तो मोदीजी पर असर करता ही नहीं है। लेकिन अब घरेलू स्थितियों को तेजी से बिगड़ने का असर वे रोक नहीं सकते हैं। स्टूडेंट और युवा के सब्र का बांध टूट चुका है। पेपर लीक और बारहवीं की परीक्षा भी ढंग से न होने के कारण उसका भविष्य खतरे में पड़ गया है। दूसरी तरफ जिन्होंने शिक्षा प्राप्त कर ली है उनकी बेरोजगारी। गैस, तेल के दाम रोज बढ़ाए जा रहे हैं। महंगाई को कोई हिसाब नहीं। पहले कहते थे महंगाई डायन खाय जात है। मगर उससे पहले की पंक्ति थी कि सखी सैंया तो बहुत कमात है...! मगर अब कमाई ही खतम हो गई। तो महंगाई डबल मार कर रही है। एक तो सैंया भी नहीं कमात है और महंगाई डबल होत जात है! राहुल ने यही कहा है कि जनता का यह प्रेशर अब सरकार पर आ रहा है और साथ ही दूसरी संस्थाओं पर भी। देश चौतरफा समस्याओं से घिरा हुआ है और मोदी एवं उनके मुख्यमंत्री समझते हैं कि हिन्दू–मुसलमान की राजनीति से वे इन सब समस्याओं पर काबू पा लेंगे। हिन्दू–मुसलमान के अलावा वे और कुछ करने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका के लगातार भारत पर लगाए जाने वाले प्रतिबंध, तेल इससे खरीदो, उससे नहीं, हमारे यहां सामान बेचना है तो इतना शुल्क दो और हम जो भेजेंगे उस पर एक पैसा भी नहीं लेना और फिर इस पर भी ट्रंप का कहना कि मुझे भारत से पैसा कमाना है। जैसे सेठ–साहूकार लाचार गरीब से कहते हैं कि सब वसूल तो तुझ से ही होगा! चीन की घुसपैठ, भारत के बाजारों में सिर्फ उसी उसका माल इन सबसे भी वे क्या हिन्दू–मुसलमान करके निपटेंगे? इंडिया गठबंधन की बैठक में पहला सवाल कि लड़ाई निर्णायक मोड़ पर आ गई है एक होकर इसे लड़ना है। नेतृत्व या संयोजक जैसा सवाल कोई मायने नहीं रखता है। राहुल सबको लड़ते हुए दिख रहे हैं। सबको मालूम है कि अगर राहुल नहीं होते तो विपक्ष का क्या होता! जैसा राहुल कहते हैं पहला लक्ष्य मोदी को हटाना होना चाहिए। एक साल में या उससे पहले। जनता की समस्याओं का हल उसके बाद ही होना शुरू होगा। मोदी को जनता की समस्याएं हल करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनकी कोशिश है कि जनता खासतौर से युवा, स्टूडेंट का ध्यान अपनी समस्याओं से हट जाए। हिन्दू–मुसलमान में उलझ जाएं! मगर अब लोग इससे बाहर निकलें हैं तो विपक्ष की जिम्मेदारी है कि उन्हें सही दिशा दे। इंडिया गठबंधन की बैठक से नई उम्मीद आना चाहिए।

आशंकाओं को सही साबित किया सीजेपी ने

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कॉकरोच एवं परजीवी शब्दों का इस्तेमाल मौखिक प्रतिक्रिया में किया। जिसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी नाम का एक आंदोलन सोशल मीडिया पर खड़ा हुआ। महाराष्ट्र के संभाजीनगर निवासी अभिजीत दिपके तब अमेरिका में पढ़ रहे थे, उन्होंने वहीं से इसे बनाया और डिजिटली स्वरूप में अवतरित हुई कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की आखिरकार भौतिक उपस्थिति शनिवार को दिल्ली के जंतर–मंतर पर दिखलाई पड़ी। परन्तु उसने अपने बाबत पहले से फैली आशंकाओं को खरा साबित किया। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफा होने तक आंदोलन का हुंकार भरने वाली सीजेपी के पांव शाम ढलने के पहले ही उखड़ गये। दोपहर तकरीबन साढ़े तीन बजे आयोजकों ने यह कहकर धरना समेट लिया कि, कोई यह न समझे कि हम पीछे हट गये हैं। यदि प्रधान ने 7 दिनों में अपना त्यागपत्र न दिया तो अगले शनिवार को इसी स्थान पर आंदोलन होगा। आयोजकों का दावा चाहे जो हो और हफ्ते भर बाद यह आंदोलन फिर से होगा कि नहीं, यह तो 13– 14 जून को ही पता चलेगा, परन्तु शनिवार के घटनाक्रम ने उन लोगों को सही साबित कर दिया जो इस संगठन एवं आंदोलन की विश्वसनीयता पर पहले से ऊंगली उठा रहे थे। हालांकि यह तथ्य भी सही है कि मंच पर मौजूद लोगों की विश्वसनीयता पर भले सवाल हों, लेकिन जंतर–मंतर पर जुटे लोगों का गुस्सा एकदम सच्चा था। ये सारे लोग छात्रों को न्याय मिले इसी उम्मीद से वहां पहुंचे थे। बता दें कि जस्टिस सूर्यकांत के बयान से उपजी नाराजगी 22 मई को नीट पेपर लीक होने और फिर सीबीएसई मार्किंग में गड़बड़ी से और बढ़ गई। इसने नाराज छात्रों व युवाओं को इस आंदोलन की शुरुआत करने का अवसर प्रदान कर दिया। उल्लेखनीय है कि नीट परीक्षा में करीब 23 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे। नीट के रद्द होने से कई छात्र–छात्राओं ने आत्महत्या तक कर ली। वहीं सीबीएसई में रिजल्ट से करीब 18 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है। ऐसे वक्त में दिपके ने ऐलान कर दिया कि धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी प्रदर्शन करेगी और उसका नेतृत्व करने वे स्वयं दिल्ली आयेंगे। इसके लिये 6 जून की तारीख घोषित थी। सीजेपी बनने के तत्काल बाद एवं खासकर प्रदर्शन के ऐलान के काफी पहले से दिपके व सीजेपी को लेकर कई आशंकाएं व्यक्त की जाने लगीं। माना गया कि यह भारतीय जनता पार्टी का वैसा ही सहयोगी संगठन है जैसा 2011 में इंडिया अगेंस्ट करप्शन नामक संगठन बना था जिसका रूपांतरण नवम्बर, 2012 में आम आदमी पार्टी के रूप में हुआ था और जो सक्रिय राजनीति में उतरी। उसने दिल्ली में तीन बार सरकारें बनाईं। हालांकि उसकी अब राजधानी में सरकार नहीं रही पर पंजाब में वह सत्ता में है। बहुत तेजी से राजनीतिक परिदृश्य पर उभरी आप का इतिहास चाहे आंदोलनकारी रहा हो, परन्तु अपनी यात्रा में उस पर यह दाग गहरे लग गया है कि वह अप्रत्यक्ष तौर पर भारतीय जनता पार्टी की सहायक है। कई राज्यों में वह चुनावों में उतरी लेकिन उसके चलते भाजपा को जीतने में मदद ही मिलती रही है। चूंकि दिपके भी कभी आप से जुड़े थे, लोगों ने संदेह जताया कि सीजेपी को भी भाजपा का प्रश्रय है। इस शंका को शनिवार की सुबह बल मिला जब अभिजीत के दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरते ही स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने उन्हें वहीं जंतर–मंतर पर प्रदर्शन करने की लिखित अनुमति थमा दी। सीजेपी ने इसे पहली जीत बताई लेकिन माना गया कि हर तरह के सरकार विरोधी धरना–प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचलने वाली दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के साथ केन्द्र के इशारे पर ही नर्म व्यवहार किया। हालांकि इसे दिपके एवं सीजेपी के प्रवक्ता यह कहकर खारिज कर चुके हैं कि यह एक सामान्य व रूटीन नरेटिव है जो कोई भी राजनीतिक दल अपनी विरोधी पार्टी के लिये चलाता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जिस तरह से हाथ में संविधान लेकर चलते हैं, उसी अंदाज में दिपके सुबह एयरपोर्ट से बाहर निकले व लोगों को बाबा आंबेडकर पर लिखी एक किताब दिखाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। दूसरी ओर धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते प्रदर्शन में संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर के पोस्टर लहरा रहे थे और जय भीम के नारे भी सतत गूंजते रहे। कई विश्लेषक मानते हैं कि कांग्रेस तथा राहुल गांधी की काट के तौर पर भाजपा दिपके को आगे बढ़ा रही है। वैसे मंजूरी से उत्साहित होकर सुबह से ही बड़ी तादाद में युवा, छात्र, अन्य समर्थक जंतर–मंतर पर जुट गये थे। इस प्रदर्शन के जरिये सीजेपी ने अपने इर्द–गिर्द छाई धुंध को कई तरह से साफ करने का प्रयास किया। हालांकि अब तक शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर अपनी कार्यपद्धति व परम्परा के मुताबिक केन्द्र सरकार ने कोई संकेत नहीं दिये हैं। तो भी बहुतों का मानना है कि सीजेपी के रूप में हम एक सियासी दल के उद्भव को ही देख रहे हैं जो भाजपा का मददगार होगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म से सड़क पर पहली बार उतरने वाले इस संगठन का स्वरूप जितना शंकास्पद है, उसका भविष्य उतना ही संदेहों के घेरे में है।

विवाद और आलोचनाओं के बाद पेद्दी से हटाए गए जान्हवी कपूर के बोल्ड रोमांटिक सीन, निर्देशक बुची बाबू ने दी सफाई

राम चरण और जान्हवी कपूर की फिल्म पेद्दी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म की तारीफ हो रही हैं। मगर, साथ ही आलोचनाएं भी हो रही हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर को जिस तरह दिखाया गया है, उस पर विवाद शुरू हो गया। पेद्दी में अभिनेत्री के कुछ गैर–जरूरी और बेहद बोल्ड सीन हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर निर्देशक और मेकर्स को ट्रोल किया गया। निर्देशक बुची बाबू सना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि जान्हवी कपूर के रोल को लेकर हुई आलोचना के बाद उन्होंने आखिरकार पेद्दी से विवादित सीन हटा दिए हैं। यह कदम उन शॉट्स और रोमांटिक सीन पर आपत्तियों के बाद उठाया गया, जिन्हें महिलाओं के प्रति अपमानजनक माना गया था। निर्देशक ने कहा कि जान्हवी कपूर को बहुत ज्यादा बोल्ड दिखाने वाले हिस्सों पर सोशल मीडिया पर हुए हंगामे के बाद उन्होंने पेद्दी से कुछ सीन हटा दिए हैं। निर्देशक बुची बाबू ने इंडियन एक्सप्रेस के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि जान्हवी वाले कुछ सीन को लेकर गलतफहमी बढ़ गई थी। जान्हवी के किरदार अचियम्मा को कई लोगों ने गलत समझा। दर्शकों ने अचियम्मा के किरदार को लिखे जाने के तरीके पर सवाल उठाए थे। एक हिस्से और महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करने वाले समूहों ने फिल्म के रोमांटिक ट्रैक की आलोचना की थी। इसके बाद मेकर्स ने एलान किया कि महिलाओं के प्रति अपमानजनक माने जाने वाले दृश्यों को काट दिया जाएगा। विरोध बढ़ने पर बुची बाबू सना ने उन सीन को लेकर माफी मांगी और कहा कि उन्हें फिल्म से हटा दिया जाएगा। राम चरण और जान्हवी कपूर में से किसी ने भी अभी तक इस विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बुची बाबू ने कहा, मेरी राय में बहुत से लोगों ने जान्हवी कपूर के ट्रैक को एक अच्छी कहानी में अनावश्यक समझ लिया। उन्होंने कहा कि अपनी पिछली फिल्म के विपरीत पेद्दी में उनका नजरिया जानबूझकर अलग रखा गया था। उनके अनुसार, मकसद राम चरण के किरदार पेद्दी और उसके बदलाव के बीच अंतर दिखाना था। इस बदलाव की कहानी का एक हिस्सा जान्हवी के किरदार पर निर्भर था। बुची बाबू ने यह भी माना कि कुछ जगहों पर फिल्म बनाने के तरीके में गड़बड़ हुई। उन्होंने कहा, श्इस प्रक्रिया में कुछ शॉट्स ऐसे बन गए, जो गलत संदेश दे सकते थे। हमने उन्हें ठीक करने के लिए जरूरी कदम उठाए और उन्हें हटा दिया। जिन दृश्यों की आलोचना हुई, उनमें जान्हवी का इंट्रोडक्शन शॉट भी शामिल था। जान्हवी के जिन सीन पर आपत्ति हुई है, उनमें एक वह सीन भी शामिल है, जिसमें राम चरण का किरदार पेद्दी, जान्हवी की मर्जी के बिना उसे किस करता है और कहता है कि उसे प्यार जाहिर करने का कोई और तरीका नहीं पता।

> “
> उन्होंने कहा कि अपनी पिछली फिल्म के विपरीत पेद्दी में उनका नजरिया जानबूझकर अलग रखा गया था। उनके अनुसार, मकसद राम चरण के किरदार पेद्दी और उसके बदलाव के बीच अंतर दिखाना था। इस बदलाव की कहानी का एक हिस्सा जान्हवी के किरदार पर निर्भर था।

बेहद फिल्मी है डिंपल कपाड़िया की लव स्टोरी

16 की उम्र में ही 15 साल बड़े राजेश खन्ना से रचाई शादी. ..फिर सनी संग चला डिंपल कपाड़िया बॉलीवुड की बेहद खूबसूरत और प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने मात्र 16 साल की ऊंट में फिल्म बॉबी से अपने करियर की शुरुआत की थी, जिसने उन्हें रातों–रात स्टार बना दिया। अपनी बेहतरीन अदाकारी, ग्रेसफुल अंदाज और अलग अंदाज और पहचान के कारन उन्होंने लम्बे समय तक दर्शकों के दिलों पर राज किया और आज भी उनकी लोकप्रियता बरकरार है। डिंपल कपाड़िया सिर्फ अपने फिल्मों के लिए ही नहीं बल्कि अपनी निजी और प्रेम जीवन को लेकर भी हमेशा सुर्खियों में रही हैं। उनके 69वें जन्मदिन के मौके पर उनकी लव लाइफ से जुड़े पहलुओं पर एक नजर डाली जा रही है। साल 1973 में डिंपल ने अपने से लगभग 15 साल बड़े सुपरस्टारराजेश खन्ना से शादी करके सबको हैरान कर दिया था। उस समय वह केवल 16 साल की थी, जबकि राजेश खनन की उम्र 31 साल थी। खबरों के मुताबिक दोनों पहली बार अहमदाबाद के नवरंगपुरा स्पोर्ट्स क्लब में हुई थी, जहां राजेश खन्ना एक इवेंट में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। वहीं पहली मुलाकात में ही राजेश खन्ना, डिंपल की ओर आकर्षित हो गए थे। इसके बाद से ही दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं दोस्ती जल्द ही प्यार में बदल गई। दोनों ने करीब तीन सालों तक एक–दुसरे को डेट किया और 1973 में शादी कर ली। शादी के बाद उनकी 2 बेटियां हुई और इसके बाद दोनों के रिश्ते में दरार आनी शुरू हो गई। दोनों की शादी में जब परेशानियां आने लगीं तो डिंपल ने अपनी दोनों बेटी के संग राजेश का घर छोड़ दिया हालाँकि इस बीच डिंपल ने उनको तलाक नहीं दिया था, बस अलग रहने लगीं। जब राजेश खन्ना को कैंसर हुआ, तब से दोनों साथ आ गए और अंत समय में डिंपल ने राजेश की खूब सेवा की। ग्लैमर की दुनिया में हर किसी की एक अलग खानि होती है। इसी तरह जब डिंपल राजेश से अलग रहने लग गई तो उनका नाम मशहूर एक्टर सनी देओल के साथ जुड़ने लगा। दोनों ने साथ में खूब फिल्में और उस समय में अखबारों में भी दोनों के चर्चे होते थे।

पहली नजर का प्यार बकवास है, कंगना रनौत ने आधुनिक रिश्तों पर की बातय कहा–इंस्टाग्राम रील से तुलना न करें

सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत हर मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। फिर, चाहें वह कोई सामाजिक और राजनीतिक विषय हो या जिंदगी से जुड़ी चीजें। हाल ही में उन्होंने शादी, प्यार और मॉडर्न रिलेशनशिप पर बात की। साथ ही इस बात पर भी चिंता जताई कि सोशल मीडिया के दौर में लोग रिश्तों में ऐसी चीजों की उम्मीदें कर बैठते हैं, जो सच नहीं हैं और फायदेमंद होने के बजाय नुकसानदायक ज्यादा है। कंगना रनौत ने हाल ही में फीवर एफएम को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि रिश्ते बहुत निजी होते हैं और उन्हें अक्सर ऑनलाइन दिखने वाले पिक्चर–परफेक्ट रोमांस से नहीं मापा जा सकता। अभिनेत्री ने आधुनिक रिश्तों पर बात करते हुए कहा कि सोशल मीडिया का लोगों के प्यार और शादी को देखने के तरीके पर कितना असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, एक बात मुझे पक्के तौर पर महसूस होती है कि लोगों को रिश्तों के सोशल मीडिया वाले वर्जन से दूर जाने की जरूरत है, जैसे– घुटनों पर बैठकर प्रपोज करना, अंगूठियां, छुट्टियां, बड़े–बड़े इशारे। कंगना के मुताबिक, कई जोड़े अपनी जिंदगी की तुलना ध्यान से चुने गए ऑनलाइन कंटेंट से करने लगते हैं और अपनी भावनाओं पर सवाल उठाने लगते हैं। कंगना रनौत ने कहा, आजकल बहुत सारे रिश्ते इसलिए खराब हो रहे हैं क्योंकि लोग लगातार अपनी जिंदगी की तुलना ऑनलाइन देखी चीजों से करते हैं और सोचते हैं, मेरी जिंदगी वैसी क्यों नहीं है? इसके अलावा कंगना रनौत ने पहली नजर के प्यार जैसी बातों को बकवास बताया। उन्होंने कहा, मेरी कहानी पहली नजर में प्यार नहीं थी। यह शायद पहली नजर में नफरत थी। फिर यह प्यार बन गई। कंगना ने जोर देकर कहा कि हर रिश्ता अनोखा होता है, क्योंकि हर इंसान अलग बैकग्राउंड और जिंदगी के अनुभव से आता है। उन्होंने कहा, हर परिवार बहुत पर्सनल होता है। हर मां अलग होती हैं। हर पिता अलग होते हैं। किन्हीं दो लोगों की परवरिश, करियर या पार्टनर एक जैसे नहीं होते। रिश्तों को टेलर–मेड बताते हुए कंगना ने समझाया कि जो एक कपल के लिए काम करता है, वह दूसरे के लिए काम नहीं कर सकता। रिश्ते इतने पर्सनल और इतने टेलर–मेड होते हैं कि वे सिर्फ दो लोगों के लिए ही सही होते हैं। जैसे आपके कपड़े सिर्फ आप पर फिट होते हैं, वैसे ही आपका रिश्ता भी आपके लिए यूनिक होता है। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया के दिखावटी आदर्शों के पीछे भागने के बजाय अपने साथी में कमियों को स्वीकार करने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, श्अगर आपको अपना इंसान मिल गया है, भले ही उनमें सौ चीजें गलत हों, लेकिन दिल से आप जानते हैं कि यह आपका इंसान है, तो आपको अपनी जिंदगी की तुलना इंस्टाग्राम रील्स से नहीं करनी चाहिए। इसके बजाय उसे देखना और अहमियत देना होगाश। कंगना के मुताबिक, बहुत से लोग अपनी जिंदगी की अच्छी चीजों की तारीफ नहीं कर पाते, क्योंकि वे इस बात पर फोकस करते रहते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। मैं सोशल मीडिया की वजह से बहुत से लोगों को परेशान देखती हूं। बात करें भारत भाग्य विधाता की तो यह 12 जून को रिलीज होगी।

बेबी बंप के साथ दिखीं दीपिका, रणवीर सिंह के साथ नया घर देखने पहुंचीं, वायरल वीडियो पर फैंस ने लुटाया प्यार

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दूसरी बार माता–पिता बनने वाले हैं। इनका परिवार बढ़ेगा, ऐसे में बॉलीवुड का यह कपल अपने लिए नया घर बनवा रहा है। हाल ही में अपने नए घर को देखने के लिए दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह पहुंचे। इस मौके पर दीपिका का बेबी बंप साफ नजर आया। कपल की सोशल मीडिया पर यह वीडियो और कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, इन पर फैंस भी खूब प्यार लुटा रहे हैं। एक वायरल पोस्ट और वीडियो में दीपिका और रणवीर अपने नए घर की बालकनी पर खड़े नजर आ रहे हैं। दीपिका ने व्हाइट शर्ट और पैंट पहनी है। उनका बेबी बंप भी साफ नजर आ रहा है। प्रेग्नेंसी ग्लो दीपिका के चेहरे पर साफ नजर आने लगा है। दीपिका को घर दिखाते हुए रणवीर सिंह काफी उत्साहित दिख रहे थे। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दूसरी बार माता–पिता बनने वाले हैं, यह खुशखबरी कपल ने अप्रैल महीने में फैंस के साथ शेयर की थी। इससे पहले उनकी एक बेटी दुआ है, वह लगभग दो साल की होने वाली है। हालिया सामने आए वीडियो में दीपिका का बेबी बंप भी साफ नजर आने लगा है। फैंस एक्ट्रेस पर खूब प्यार लुटा रहे हैं, सोशल मीडिया पर रिएक्शन दे रहे हैं। दीपिका पादुकोण शाहरुख खान की फिल्म किंग और अल्लू अर्जुन की फिल्म श्राकाश कर रही हैं। वहीं रणवीर सिंह धुरंधर 2 जैसी हिट फिल्म देखने के बाद हाल ही में डॉन 3 से बाहर होने के कारण चर्चा में आए। इस वजह से वह एक बड़ी कंट्रोवर्सी का भी शिकार हो गए। उन पर बैन लगाया गया, जिसे बाद में हटा लिया गया।

मैं सिंगल हूं, लेकिन सिंगल मॉम नहीं, तलाक के बाद बच्चों की परवरिश में भरत तख्तानी के सहयोग पर बोलीं ईशा देओल

अभिनेत्री ईशा देओल और भरत तख्तानी अलग हो चुके हैं। इसके बाद भी दोनों की दोस्ती कायम है। एक बातचीत के दौरान ईशा ने अपने रिश्ते के बारे में खुल कर बात की। साथ ही यह भी बताया कि बच्चों की परवरिश के लिए वो किस तरह एक दूसरे का साथ देते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ईशा देओल ने बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में बताया, मैं यह कहना चाहूंगी कि हालांकि मैं अकेली हूं, लेकिन मैं खुद को अकेली मां के रूप में नहीं देखती। ईश्वर की कृपा से, भरत और मैं अपनी बेटियों की परवरिश में एक टीम की तरह काम करते हैं। हम एक परिवार हैं और हमारे बच्चे हमेशा हमारी पहली प्राथमिकता रहेंगे। उन्हें प्यार और स्नेह देना और उनके लिए मजबूत सहारा बनना, यह एक ऐसी चीज है जिसके लिए हम पूरी तरह से एक दूसके से सहमत हैं। एक्ट्रेस ईशा देओल ने भरत तख्तानी से 2012 से शादी की थी। इसके बाद उन्होंने 2017 में पहली बेटी राध्या को में जन्म दिया। वहीं 2019 में वह दूसरी बेटी मिराया की मां बनी। ईशा और भरत की शादी लगभग 11 तक चली जिसके बाद कपल ने शांतिपूर्ण तरीके से अलग होने का फैसला किया। ईशा को कई बार भरत के साथ फैमिली डिनर करते भी करते देखा जाता है। अभिनेत्री ईशा देओल अपने करियर पर ध्यान दे रही हैं। 2002 में फिल्म कोई मेरे दिल से पूछे से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह धूम, युवा, नो इंट्री में भी दिखाई दीं। शादी के बाद उन्होंने लंबे समय तक स्क्रीन से दूरी बना कर रखी। मगर अब जल्द ही एक्ट्रेस हॉरर–कॉमेडी फिल्म घूंघट में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन राजीव एस रुइया ने किया है। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी अभी सामने नहीं आई।

अब भयंकर गर्मी में भी नहीं फटेगा दूध, बस उबालते समय करें ये काम

गर्मीयों में खाने–पीने की चीजें ज्यादा खराब होने लगती है। सबसे बड़ी समस्या तब होती है जब फ्रिज में रखा हुआ दूध भी फट जाता है। ऐसे में दूध को फटने से बचाने के लिए आप हमारे दिए कुछ टिप्स अपना सकती है। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

तुरंत उबाल लें

गर्मी के मौसम में ज्यादा चीजें खराब होती है इसलिए जब भी दूध वाले से दूध लेकर घर आएं तो उसे पहले जल्दी से उबाल

लें। वहीं अगर आप दूध को फ्रिज में नहीं रखते हैं तो दिन कम से कम 4 बार इसे उबालें।

देर रात उबालें

रात का खाना खाने के बाद जब सारा काम हो जाएं तो दूध को उबाल लें। ऐसा करने से यह रात भर खराब नहीं होगा और सुबह उठते ही इसे एक बार फिर उबाल लें।

सोडा का इस्तेमाल

अगर दूध को गैस पर रखते ही ऐसा लगे कि ये फटने वाला है तो आप इसमें चुटकी भर खाने वाला सोडा डाल दें। ध्यान रहे उबाल आने के पहले ऐसा करना है।

फ्रिज में रखते वक्त न करें ये गलतियां

दूध को एसिडिक चीजों से दूर रखना जरूरी होता है। दूध के पास टमाटर का रस, चटनी, नींबू आदि ना रखें। दूध के आस–पास कच्चा मीट या खरबूजे जैसी चीजें रखने से भी ये खराब हो जाता है।

ठंडी जगह रखें दूध

हमेशा ठंडी जगह पर ही दूध को रखें। आप इसे जिस कमरे में एसी या कूलर चलता हो वहां भी रख सकते है।

फ्रीजर में रखें

अगर दूध का पैकेट ज्यादा जमा हो गया है तो आप इसे फ्रीजर में स्ट्टोर कर लें। इससे कई दिनों तक ये दूध आप इस्तेमाल कर सकते हैं।

फ्लॉरल फुटवियर बढ़ाएंगे आपके पैरों की खूबसूरती, दुल्हन एक बार जरुर करें ट्राई

शादी के दिन हर लड़की संजने–संवरने में कोई मौका नहीं छोड़ती। ब्राइडल आउटफिट्स से लेकर ज्वेलरी, फुटवियर हर चीज उन्हें एकदम परफेक्ट चाहिए होती है। लेकिन दुल्हन इस बात को लेकर थोड़ी सी कंफ्यूज हो जाती है कि वेडिंग वाले दिन ऐसा क्या पहने जिससे वह बाकी दुल्हनों से एकदम हटके दिख सके। ऐसे में आज आपको आज फ्लोरल हील्स के कुछ ऐसे डिजाइन दिखाते हैं जिन्हें आप अपनी

वेडिंग वाले दिन ट्राई कर सकती हैं।

इस तरह की हाई हील्स कंफर्टेबल होने के साथ–साथ स्टाइलिश लुक भी देगी।

सिंपल के लिए आप इस तरह की व्हाइट हील्स अपनी वेडिंग में ट्राई कर सकती हैं।

ये हील्स भी आपके पैरों को एक हटके लुक देंगी।

फ्लोरल हील में यह डिजाइन भी आपको एक अलग ही कंफर्ट देगा।

अगर आप पंजाबी जूती शादी में पहनना चाहती हैं तो पिंक फ्लोरल पंजाबी जूती आपके पैरों की खूबसूरती बढ़ा देगी।

छोटे–छोटे फ्लॉवर्स की स्ट्रिप्स से तैयार यह हाई हिल्स भी आपको एक अलग ही लुक देगी।

बैली टाइप हाई हिल्स भी आप अपने वेडिंग डे वाले दिन कैरी कर सकती हैं।

फ्लोरल लेसेज से तैयार ये

हील्स आपके पैरों की खूबसूरती को फ्लॉरिश कर देंगी।

गर्मियों में चेहरा रहेगा एकदम ठंडा, बस लगा लें ये 3 कूलिंग फेशपैक

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याएं लेकर आता है। इस मौसम में स्किन पर जलन, खुजली और पसीना जैसी समस्याएं आम होने लगती हैं। ऐसे में चेहरे को ठंडक का एहसास दिलवाने के लिए सभी एसी कूलर के आगे बैठते हैं। इसके अलावा कुछ लोग चेहरे पर बर्फी भी लगाते हैं लेकिन बर्फ लगाने से सिर्फ चेहरे के ऊपर की गर्मी ठीक हो सकती हैं त्वचा को अंदर से बर्फ आराम नहीं देगी। ऐसे में आज आपको 3 ऐसे कूलिंग फेसपैक बताते हैं जो गर्मियों में आपकी त्वचा को ठंडक का एहसास देंगे। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

पुदीना

गर्मियों में पुदीना सिर्फ पेट के लिए ही नहीं बल्कि त्वचा को भी ठंडक देता है। इसके अलावा चेहरे पर इससे तैयार फेसपैक लगाने से चेहरे पर भी निखार आता है और त्वचा के कील–मुहांसे और सूजन दूर होती है।

सामग्री

पुदीना – 1 कप

नींबू का रस – 2 चम्मच

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले पुदीना अच्छे से बारीक–बारीक करके पीस लें।

. इसके बाद इसमें नींबू का रस मिलाएं।

. दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स करके 15–20 मिनट के लिए स्किन पर लगाएं।

यह एक तरह का एंटीबैक्टीरियल पैक है जिससे स्किन को कील–मुहांसे और एक्ने जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी से तैयार फेसपैक चेहरे को आप गर्मियों की कड़कती धूप से बचाने के लिए कर सकते हैं। इससे स्किन के काले धब्बे और कील मुंहासें दूर होते हैं।

सामग्री

गुलाब जल – 1 चम्मच

मुल्तानी मिट्टी – 2 चम्मच

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले एक कटोरी में मुल्तानी पाउडर डालें।

. फिर इसमें गुलाब जल मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें।

. पेस्ट को चेहरे पर लगाएं।

. जैसे चेहरा सूख जाए तो इसे ठंडे पानी से धो लें।

इससे स्किन पर निखार भी आएगा और चेहरे को ठंडक भी मिलेगी।

चंदन फेस पैक

चंदन से तैयार फेसमास्क आप त्वचा पर लगा सकते हैं। इससे आपकी स्किन को ठंडक मिलेगी और चेहरे के दाग–धब्बे भी दूर होंगे। चंदन की तासीर ठंडी होती है ऐसे में यह त्वचा के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है।

सामग्री

चंदन पाउडर – 2 चम्मच

गुलाब जल – 1 चम्मच

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले चंदन पाउडर एक कटोरी में डालें।

. फिर इसमें गुलाब जल डालें।

. दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स करके पेस्ट को चेहरे पर लगाएं।

. 15–20 मिनट बाद चेहरा सादे पानी से धो लें।

स्किन को ठंडक मिलेगी और यह ग्लोइंग भी बनेगी।

रोज चला ली 15 मिनट साइकिल तो ये बीमारियां हो जाएंगी छूमंतर

खुद को हेल्दी और फिट रखना आज के समय में सबसे बड़ी जिम्मेवारी हो गई है। बदलते लाइफस्टाइल और गलत खान–पान के कारण आजकल कई तरह की बीमारियां व्यक्ति के शरीर को घेर रही हैं। ऐसे में अपने आप को फिट रखने के लिए सभी जिम का सहारा ले रहे हैं लेकिन आप बिना जिम के भी अपने आप को फिट रख सकते हैं। साइकिलिंग एक ऐसी फिट एक्टिविटी है जिसके जरिए आप अपनी बॉडी को एकदम हैल्दी रख सकते हैं। आज पूरे विश्व में विश्व साइकिल दिवस मनाया जा रहा है। ऐसे में आपको बताते हैं कि रोज 15 मिनट साइकिल चलाने से आपके शरीर को क्या–क्या फायदे होंगे....

दूर रहेंगी कई बीमारियां

रोजाना साइकिल चलाने से बॉडी का इम्यून सिस्टम सही रहता है। इसके अलावा इम्यून सिस्टम के सेल्स ज्यादा एक्टिव होते हैं और व्यक्ति को बीमारियां भी कम घेरती हैं।

फेफड़े बनेंगे मजबूत

जब व्यक्ति साइकिलिंग करता है तो सामान्य की तुलना में ज्यादा गहरी सांस लेते है और शरीर को ज्यादा मात्रा में ऑक्सीजन की जरुरत पड़ती है। इससे शरीर में रक्त संचार बढ़ता है और फेफड़ों के अंदर तेजी से हवा अंदर और बाहर जाने लगती है जिससे फेफड़ों की क्षमता सुधरती है और इनमें मजबूती आती है।

अच्छी आएगी नींद

सुबह–सुबह यदि आप साइकिलिंग करते हैं तो इससे आपको रात में नींद अच्छी आती है। वैसे सुबह साइकिलिंग के दौरान आपको थोड़ी थकान जरुर महसूस हो सकती हैं परंतु कुछ देर में आपकी बॉडी काफी एक्टिव महसूस करेगी।

शार्प होगी मेमोरी

साइकिलिंग चलाने से ब्रेन सेल्स एक्टिव होते हैं और आपकी मेमोरी आम लोगों के मुकाबले ज्यादा तेज होती है। साइकिलिंग करने से बॉडी में नए ब्रेन सेल्स बनते रहते हैं।

हार्ट रहेगा स्वस्थ

साइकिलिंग करने से हार्ट हेल्थ अच्छी रहती है और इससे पूरी बॉडी में सर्कुलेशन सही रहता है।

वजन होगा कम

साइकिलिंग करने से वजन कम होता है। इससे आपका मेटबॉल्जिम स्तर बूस्ट होता है और शरीर में मौजूद एक्सट्रा वजन कम होता है। साइकिलिंग के जरिए आप आसानी से वजन कम कर सकते हैं।

मानसिक रुप से रहेंगे स्वस्थ

यदि आप स्ट्रेस और डिप्रेशन दूर करना चाहते हैं तो भी यह एक बहुत ही अच्छी एक्सरसाइज साबित हो सकती है। इससे शरीर में एड्रेनाइलाईन और एंडोर्फिन रश को बढ़ाकर आपके मूड को लिफ्ट करने में मदद करता है। इससे आपका ब्रेन संचार बढ़ता है। हर दिन इससे आपका दिमाग तेज होता है और अच्छे निर्णय लेने में मदद मिलती है।

सुबह खाली पेट लहसुन का पानी पीने से एक नहीं मिलते है अनेक फायदे, दिल भी रहेगा फिट

शरीर को बीमारियों से दूर रखने के लिए लोग अपनी डाइट का अच्छे से ख्याल रखते है। कई लोग तो अपने आपको फिट रखने के लिए एक्सरसाइज या योगा का सहारा भी लेते है। लेकिन क्या आप जानते है शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप अपनी डाइट में रोजाना लहसुन का पानी भी शामिल कर सकते है। इसे पीने से आपको काफी फायदा होगा। तो चलिए जानते है इसके फायदे और लहसुन का पानी बनाने के बारे में।

पाचन और पेट संबंधी दिक्कतों

लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया शरीर की पेट संबंधी बीमारीयों को ठीक करता है। जिन लोगों को पेट में दर्द, ऐंठन, सूजन और गैस की शिकायत है वह रोजाना सुबह लहसुन का पानी के पानी का सेवन करें। इससे उन्हें जल्द राहत मिलेगी।

ब्लड प्रेशर

अगर आप रोज लहसुन का पानी पीते है तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ने की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ साथ यह एक नैचुरल तरीके से खून को पतला करने में भी सहायक है।

सर्दी–जुकाम

जिन्ह लोगों की इम्यूनिटी कमजोर है वह इसका सेवन जरुर करें। जिन लोगों को सर्दी–जुकामकी दिक्कत ज्यादा होती उन्हें लहसुन का पानी पीने की सलाह दी जाती है। जिसमें एंटीबायोटिक, एंटी फंगल के गुण शरीर को संक्रमण और बीमारियों से बचाने में मदद करता हैं।

हार्ट के लिए फायदेमंद

एलिसिन में समृद्ध लहसुन, एक ऑर्गोसल्फर यौगिक पाया जाता है, जो दिल से संबंधित बीमारियों को दूर रखता है।

पीरियड्स

जिन लड़कियों को पीरियड्स में कमर दर्द, शरीर और पेट में ऐंठन की दिक्कतें होती है उन्हें भी लहसुन का पानी पीना चाहिए। इससे काफी आराम मिल सकता है।

इस तरह बनाएं लहसुन का पानी

1 सबसे पहले एक पैन में 2 गिलास पानी को गर्म करें।

2 इस पानी में लहसुन की 2 से 3 कलियां डालकर अच्छे से उबाल लें।

3 इस पानी को तब तक उबाल है जब तक कि यह आधा न रह जाएं।

4 फिर आप इसमें अपने स्वाद के लिए शहद या काली मिर्च और नमक डाल पी सकते हैं।

संक्षिप्त

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में बदलाव?

मुंबई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को घोषणा की कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे। बोर्ड के अनुसार यह फैसला मेडिकल टीम और टीम मैनेजमेंट के साथ विचार–विमर्श के बाद लिया गया है। बीसीसीआई ने बताया कि सिराज को लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले पर्याप्त आराम और रिकवरी का समय देने के लिए यह कदम उठाया गया है। यह पूरी तरह एहतियाती फैसला है, ताकि वह आगामी महत्वपूर्ण मुकाबलों के लिए पूरी तरह फिट रह सकें। पुरुष चयन समिति ने सिराज की जगह तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को भारतीय टीम में शामिल किया है। प्रसिद्ध अब आयरलैंड और इंग्लैंड दोनों टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। प्रसिद्ध कृष्णा इससे पहले भी भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेल चुके हैं और अपनी अतिरिक्त उछाल तथा गति के लिए जाने जाते हैं। चयनकर्ताओं को उम्मीद होगी कि वह सिराज की गैरमौजूदगी में गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देंगे। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम में कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। वैभव सूर्यवंशी, प्रिंस यादव और नितीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ियों पर विशेष नजर रहेगी। वहीं अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी बल्लेबाजी विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

शिवम दुबे की तारीफ सुनकर अर्जुन तेंदुलकर क्यों हो गए भावुक?

मुंबई,एजेंसी। मुंबई टी20 लीग में आर्क्स अंधेरी की ओर से खेलते हुए अर्जुन तेंदुलकर ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले गेंदबाजी में 3 विकेट लिए और फिर नाबाद 66 रन बनाकर टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान शिवम दुबे ने उनकी तारीफ की, जिसे सुनकर अर्जुन के चेहरे के भाव सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए। इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए केवल एक मैच खेलने वाले अर्जुन तेंदुलकर ने मुंबई टी20 लीग में दमदार प्रदर्शन किया। सोमवार को आर्क्स अंधेरी और बांद्रा ब्लास्टर्स के बीच खेले गए मुकाबले में अर्जुन ने गेंद और बल्ले दोनों से अहम योगदान दिया। पहले गेंदबाजी करते हुए अर्जुन ने तीन ओवर में एक मेडन सहित 11 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उनकी शानदार गेंदबाजी की मदद से बांद्रा ब्लास्टर्स की टीम 20 ओवर में 144ध्9 का स्कोर ही बना सकी। मैच के बाद आर्क्स अंधेरी के ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में कप्तान शिवम दुबे टीम के खिलाड़ियों की एक–एक कर सराहना करते नजर आते हैं। दुबे ने सबसे पहले अर्जुन तेंदुलकर का नाम लेते हुए उनके प्रदर्शन की प्रशंसा की। अर्जुन का नाम सुनते ही उनके चेहरे पर भावनात्मक प्रतिक्रिया दिखाई दी। उनके हाव–भाव देखकर प्रशंसकों को लगा कि यह तारीफ उनके लिए काफी मायने रखती थी। ड्रेसिंग रूम में शिवम दुबे ने अन्य खिलाड़ियों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, श्हमारी टीम में एक नहीं बल्कि दो बैकबोन हैं। वे अजय मिश्रा और मुशीर खान हैं।श इसके बाद उन्होंने कहा, शदिव्यांश ने शानदार शुरुआत दी और मुशीर ने विशेष पारी खेली।श 145 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्क्स अंधेरी को दिव्यांश सक्सेना (26) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद अर्जुन तेंदुलकर और मुशीर खान ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए नाबाद 116 रन की साझेदारी की। अर्जुन ने 34 गेंदों में नाबाद 66 रन बनाए, जबकि मुशीर खान ने 38 गेंदों में नाबाद 54 रन की पारी खेली। इन दोनों की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत आर्क्स अंधेरी ने 37 गेंद शेष रहते हुए नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज कर ली। अर्जुन तेंदुलकर के लिए यह मुकाबला यादगार रहा। उन्होंने पहले गेंद से असर छोड़ा और फिर बल्ले से टीम को जीत दिलाई। मैच के बाद कप्तान शिवम दुबे की सराहना और उस पर अर्जुन की प्रतिक्रिया अब सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रही है।

फिटनेस टेस्ट में पास हुए रोहित और हार्दिक, क्या अब आलोचकों को अपने खेल से देंगे जवाब?

बंगलूरू,एजेंसी। भारतीय टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बड़ी राहत मिली है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट्स साइंस टीम ने फिट घोषित कर दिया है। इसके साथ ही स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को भी खेलने की मंजूरी मिल गई है। रोहित आईपीएल 2026 के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट का शिकार हो गए थे। इस चोट के कारण उन्हें पांच मुकाबले मिस करने पड़े थे। हालांकि बाद में उन्होंने वापसी की, लेकिन अधिकांश मैचों में वह इम्पैक्ट प्लेयर की भूमिका में नजर आए और फील्डिंग नहीं कर पाए थे। ऐसे में उनके 50 ओवर के क्रिकेट के लिए पूरी तरह फिट होने को लेकर सवाल बने हुए थे। जब अफगानिस्तान सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हुई थी, तब बीसीसीआई ने साफ किया था कि रोहित की उपलब्धता फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगी। यही वजह थी कि उनके नाम के साथ एक तरह का संशय बना हुआ था। अब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मेडिकल और स्पोर्ट्स साइंस टीम ने उन्हें पूरी तरह फिट मानते हुए खेलने की अनुमति दे दी है। इससे भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को भी राहत मिली है। 39 वर्षीय रोहित शर्मा अपने करियर के ऐसे दौर में हैं, जहां हर सीरीज उनके भविष्य से जुड़ी चर्चा को प्रभावित कर सकती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह पूरी तरह वनडे क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं। 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए रोहित के लिए नियमित रूप से खेलना और अपनी फिटनेस साबित करना बेहद जरूरी है। अगर वह लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहते हैं, तो दूसरे खिलाड़ियों को सलामी बल्लेबाज की जगह के लिए मजबूत दावेदारी पेश करने का मौका मिल सकता है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति पहले भी बड़े फैसले लेने में संकोच नहीं दिखा चुकी है। ऐसे में रोहित के लिए हर सीरीज महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हालांकि फिटनेस को लेकर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन रोहित का वनडे प्रदर्शन अब भी उनके पक्ष में जाता है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने इस प्रारूप में लगातार रन बनाए हैं और टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। यही वजह है कि भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें 2027 विश्व कप की योजनाओं का अहम हिस्सा मानता है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर वह अपने आलोचकों को भी जवाब देना चाहेंगे। रोहित के साथ–साथ हार्दिक पांड्या को भी फिटनेस क्लियरेंस मिल गई है। हार्दिक की मौजूदगी से भारत का संतुलन और मजबूत होगा, क्योंकि वह बल्ले और गेंद दोनों से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे टीमरू शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे।

टी20 विश्व कप के बहिष्कार पर रारः पाकिस्तान में खेल सकते हैं तो भारत में क्यों नहीं, लिटन दास का छलका दर्द

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश के टी20 कप्तान लिटन दास ने टी20 विश्व कप का बहिष्कार करने पर प्रतिक्रिया दी है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भारत में सुरक्षा का हवाला देते हुए फरवरी–मार्च में हुए टी20 विश्व कप का बहिष्कार किया था जिसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। अब लिटन दास का विश्व कप में नहीं खेल पाने पर दर्द छलका है और उनका ताजा बयान बांग्लादेश के पिछले बयान से पूरी तरह विपरीत है। तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से निकाले जाने के बाद बीसीबी ने बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा बीसीबी आईसीसी से अपने मुकाबले भारत की बजाय श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की थी। इसके साथ उन्होंने खेल की वैश्विक संस्था के सामने यह भी विकल्प रखा था कि आयरलैंड को उनकी जगह ग्रुप सी में शामिल कर दिया जाए और बांग्लादेश को ग्रुप बी का हिस्सा बनाया जा सकता है, क्योंकि आयरलैंड को अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेलने थे। आईसीसी ने अन्य बोर्ड के साथ बैठक के बाद बांग्लादेश की दोनों मांगों को बहुमत के आधार पर खारिज कर दिया भारत में खेलने के लिए कहा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने फिर वही सुरक्षा की खतरा का पुराना राग अलापा और टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। लिटन दास ने टी20 विश्व कप से हटने के फैसले के पीछे की वजह पर सवाल उठाए और इसकी तुलना बांग्लादेश के दूसरे देशों के दौरों के अनुभवों से की। लिटन ने बांग्लादेश के एक अखबार से बातचीत में कहा, उन्होंने हमसे कहा कि भारत में सुरक्षा नहीं है। हमने उनसे कहा कि हम पाकिस्तान में भी खेले हैं। वहां वे बंदूकें लेकर कमरे के बाहर खड़े रहते थे। इससे ज्यादा खतरनाक और क्या हो सकता है? अगर हम पाकिस्तान में खेल सकते हैं, तो भारत में क्यों नहीं? बांग्लादेश के अंतरिम खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने पहले कहा था कि खिलाड़ियों और बीसीबी ने मिलकर टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया था। हालांकि, लिटन ने इस बात को नकार दिया है। उनका कहना है कि यह फैसला उतनी आम सहमति से नहीं लिया गया था जितना बताया गया था और हो सकता है कि अंतिम फैसले में खिलाड़ियों का नजरिया पूरी तरह से शामिल न किया गया हो।

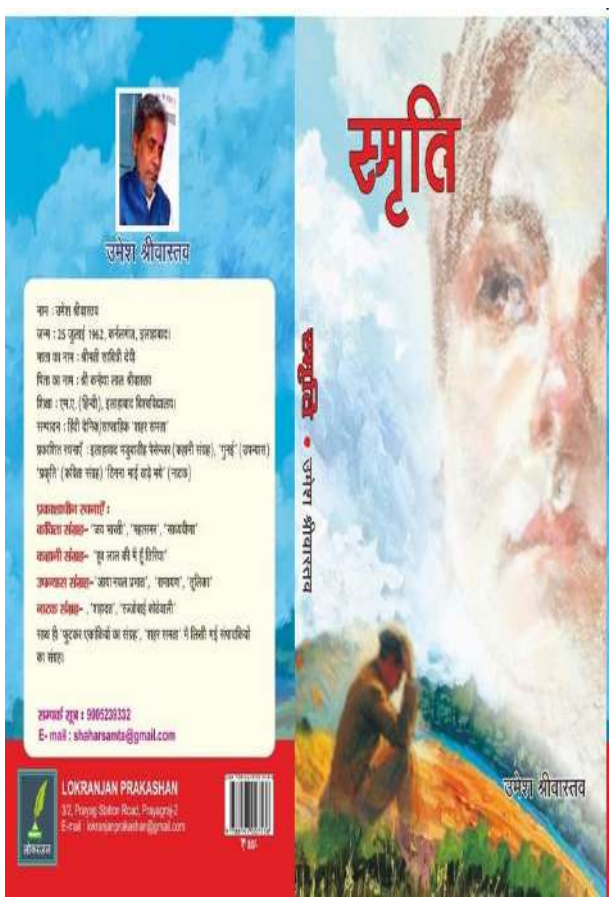

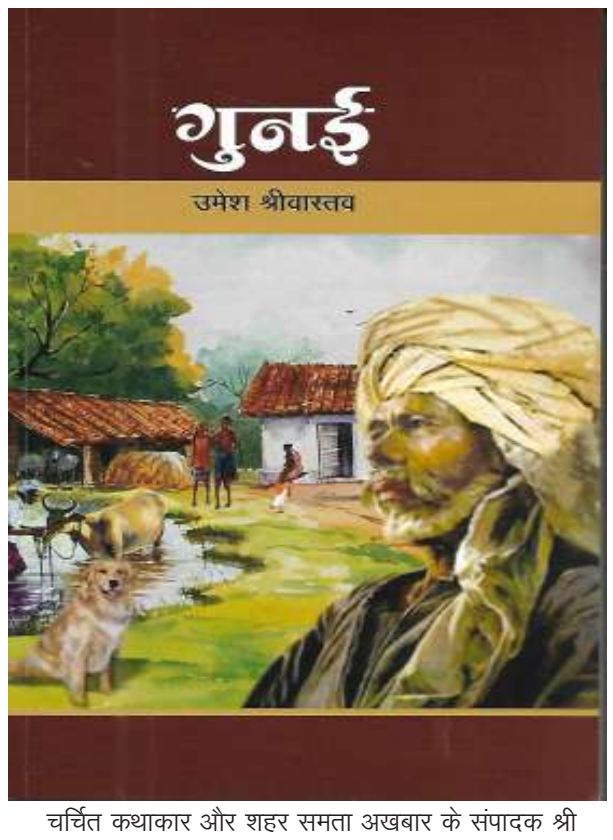

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

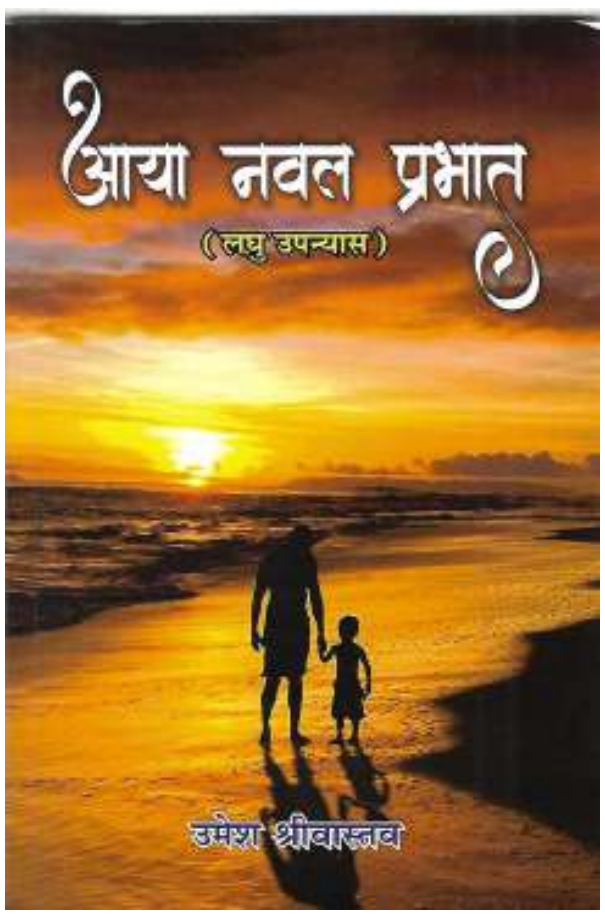

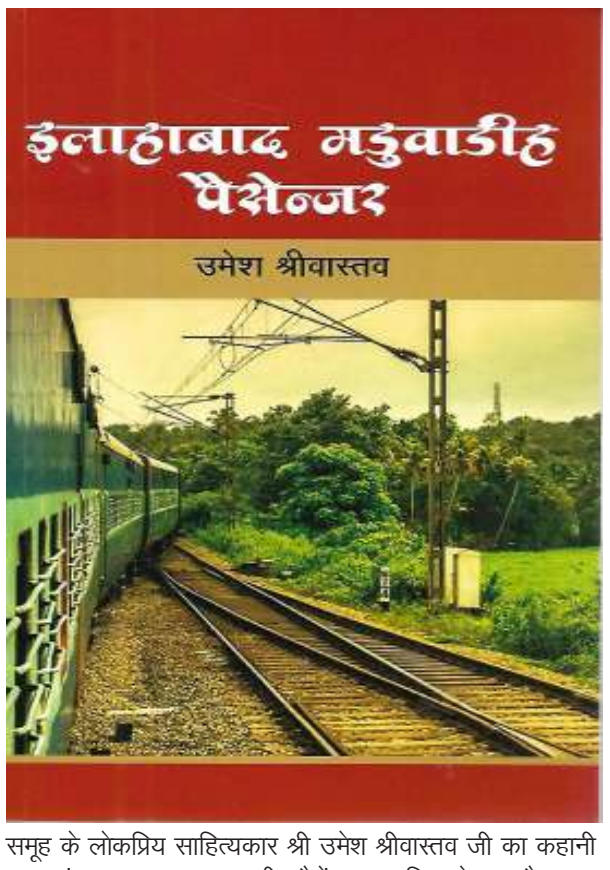

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

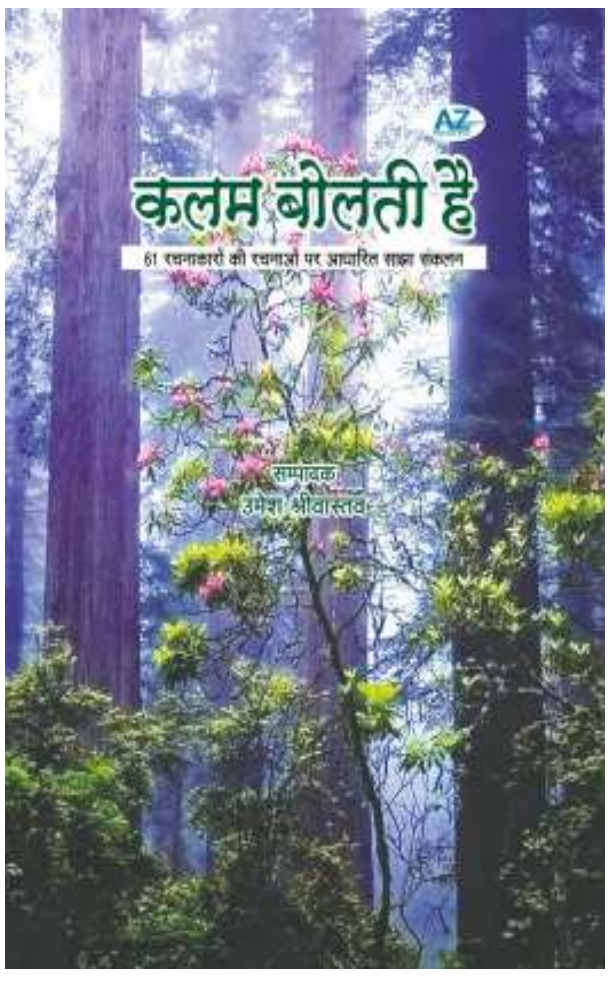

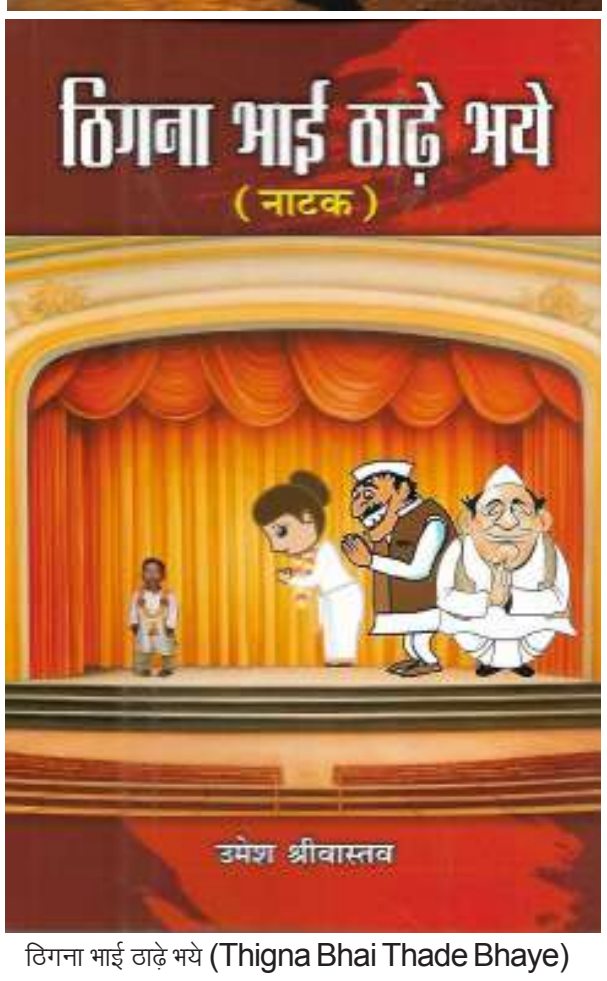

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

दो हफ्ते में ईरान पर `पूरी जीत' का दावा, ट्रंप बोले- परमाणु समझौते के लिए तैयार है तेहरान

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका अगले दो सप्ताह के भीतर ईरान के साथ चल रहे विवाद में पूरी जीत हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही बड़ा परिणाम सामने आ सकता है। ट्रंप ने यह बयान एक वर्चुअल चुनावी कार्यक्रम के दौरान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है और तेहरान अब समझौते के लिए तैयार दिख रहा है। ट्रंप के मुताबिक, ईरान परमाणु हथियार न बनाने की शर्त सहित अमेरिका की प्रमुख मांगों को स्वीकार करने के लिए तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, श्हम अभी बातचीत कर रहे हैं और वे एक बहुत अच्छा समझौता करना चाहते हैं। वे हमें सब कुछ देने को तैयार हैं। वे परमाणु हथियार नहीं रखने के लिए भी तैयार हैंश। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि आने वाले दो हफ्तों में स्थिति पूरी तरह बदल सकती है। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका अपनी पूर्ण जीत की घोषणा करेगा तो इसका असर वैश्विक तेल बाजार पर भी पड़ेगा और तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है। ट्रंप यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान और इस्राइल के बीच हाल के दिनों में बढ़ा सैन्य तनाव कुछ कम होता दिखाई दे रहा है। दोनों देशों ने हाल ही में एक–दूसरे पर जवाबी हमले किए थे, जिससे क्षेत्र में बड़े युद्ध की आशंका पैदा हो गई थी। हालांकि अब दोनों पक्षों ने अपने सैन्य अभियान अस्थायी रूप से रोक दिए हैं। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने पुष्टि की कि इस्राइल ने ईरान के खिलाफ अपने हमले रोक दिए हैं। हालांकि उन्होंने औपचारिक युद्धविराम का समर्थन करने की घोषणा नहीं की। दूसरी ओर, ईरान ने भी इस्राइल के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई रोकने की बात कही है, लेकिन चेतावनी दी है कि यदि इस्राइल की ओर से फिर हमला हुआ तो वह तुरंत जवाबी कार्रवाई शुरू कर देगा। इस बीच, ईरान की ओर से भी संकेत मिले हैं कि वह अमेरिका के साथ शांति वार्ता जारी रखने के लिए तैयार है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका ईमानदारी से बातचीत करता है तो तेहरान को वार्ता आगे बढ़ाने में कोई समस्या नहीं है। हालांकि, समझौते की समय–सीमा को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। एक टीवी कार्यक्रम में जब ट्रंप से पूछा गया कि यदि ईरान इतनी मुश्किल स्थिति में है तो उसने अभी तक समझौते पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए, तो उन्होंने जवाब दिया कि ईरानी नेतृत्व मजबूत और गर्वीला है। उनके लिए कुछ शर्तें स्वीकार करना आसान नहीं है और इसलिए प्रक्रिया में समय लग रहा है। गौरतलब है कि ट्रंप पहले भी कई बार दो सप्ताह की समयसीमा का उल्लेख कर चुके हैं। इससे पहले अप्रैल में घोषित युद्धविराम के दौरान भी उन्होंने दो हफ्तों के भीतर स्थायी समझौता होने की उम्मीद जताई थी। अब एक बार फिर ट्रंप ने दावा किया है कि आने वाले दो सप्ताह ईरान–अमेरिका संबंधों और मध्य पूर्व की राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

संक्षिप्त

भारतीय पेशेवरों को राहत: H-1B वीजा पर ट्रंप की 1 लाख डॉलर फीस को अदालत ने किया रद्द, जज ने कहा- कानून के खिलाफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एच–1बी वीजा नीति को लेकर बड़ा झटका लगा है। एक संघीय अदालत ने नए H-1B वीजा आवेदनों पर लगाए गए 1 लाख डॉलर (करीब 83 लाख रुपये) के अतिरिक्त शुल्क को गैरकानूनी करार दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह शुल्क अमेरिकी कानून के अनुरूप नहीं है और इसे अमान्य घोषित किया जाना चाहिए। न्यायाधीश लियो सोरोकिन ने अपने फैसले में कहा कि संघीय सरकार के पास इस प्रकार का शुल्क लगाने का स्पष्ट कानूनी अधिकार नहीं था। इसलिए यह निर्णय कानून की सीमाओं से बाहर माना जाएगा। अदालत ने आदेश दिया कि इस शुल्क को निरस्त किया जाए। अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय इंजीनियर, सॉफ्टवेयर डेवलपर और अन्य तकनीकी विशेषज्ञ H-1B वीजा के जरिए काम करते हैं। अदालत के इस फैसले को भारतीय पेशेवरों और अमेरिकी कंपनियों दोनों के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है। एच–1बी वीजा अमेरिका का एक प्रमुख कार्य वीजा कार्यक्रम है, जिसके तहत विदेशी विशेषज्ञों को तकनीक, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा और अन्य पेशेवर क्षेत्रों में काम करने की अनुमति दी जाती है। भारतीय आईटी पेशेवर इस वीजा श्रेणी के सबसे बड़े लाभार्थियों में शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इतनी बड़ी फीस लागू हो जाती, तो अमेरिका में विदेशी प्रतिभाओं की भर्ती प्रभावित हो सकती थी और कंपनियों के लिए कुशल कर्मचारियों को नियुक्त करना महंगा हो जाता। बोस्टन की संघीय अदालत के जिला न्यायाधीश लियो सोरोकिन ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। यह मामला 20 डेमोक्रेटिक राज्यों के अटॉर्नी जनरल द्वारा दायर मुकदमे से जुड़ा था। इन राज्यों ने ट्रंप प्रशासन के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें सितंबर में नए एच–1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर की भारी फीस लगाने की घोषणा की गई थी। इस फैसले के लागू होने पर अमेरिका में काम करने के इच्छुक उच्च कौशल वाले विदेशी पेशेवरों और उन्हें नियुक्त करने वाली कंपनियों पर बड़ा आर्थिक बोझ पड़ता।

'इस्राइल और ईरान को तत्काल गोलीबारी रोकनी चाहिए', राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस्राइल और ईरान दोनों तुरंत युद्धविराम करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह बात उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कही। ट्रंप ने लिखा, इस्राइल और ईरान दोनों पक्ष तत्काल युद्धविराम करने की कोशिश कर रहे हैं। शांति वार्ता अंतिम चरण में है। हालांकि कुछ अड़चनों या मूर्खता के कारण यह प्रभावित हो सकती है। जब तक अंतिम समझौता नहीं हो जाता, नाकाबंदी पूरी तरह लागू और प्रभावी रहेगी। चीजें तेजी से आगे बढ़नी चाहिए। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। पिछले 24 घंटों में पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां काफी बढ़ गई हैं। क्षेत्र के कई शहरों में सैन्य कार्रवाई, रणनीतिक ठिकानों पर हवाई हमले और बड़ी संख्या में मिसाइलों तथा प्रक्षेपास्त्रों का इस्तेमाल किया गया है। पश्चिम एशिया में तनाव उस समय और बढ़ गया, जब सोमवार को इस्राइल और ईरान के बीच फिर से हमले और जवाबी हमले हुए। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष का यह 100वां दिन है, जिससे पहले से ही अस्थायी युद्धविराम पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है और पूरे क्षेत्र में बड़ी जंग की आशंका बढ़ गई है। इसी बीच, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में इस्राइली जहाजों के आवागमन पर रोक लगाने की घोषणा की है। लाल सागर दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है। ताजा सैन्य घटनाक्रमों में ईरान के एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र पर हमला भी शामिल है। वहीं, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसने इजराइल के दो सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इससे पहले, ट्रंप ने कथित तौर पर इस्राइल से तेहरान की ओर से दागी गई मिसाइलों के जवाब में जवाबी कार्रवाई से बचने की अपील की थी। रविवार को इस्राइल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हवाई हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल पर हमला किया, जिसके बाद सोमवार को दोनों पक्षों के बीच नए हमले और जवाबी हमले हुए।

ईरान के बाद इस्राइल में भी भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारीय तेजी से बदली स्थिति पर MEA ने क्या कहा?

वीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच इस्राइल में भारतीय दूतावास ने सोमवार को वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की। दूतावास ने क्षेत्र की मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए भारतीयों से अत्यधिक सतर्क रहने और हर समय सावधानी बरतने की अपील की है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उसने भारतीय नागरिकों को इस्राइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमान की ओर से जारी सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। दूतावास ने कहा, क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए इस्राइल में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने और हर समय सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से आधिकारिक माध्यमों के जरिए जानकारी लेते रहने को कहा और उन्हें होम फ्रंट कमान की वेबसाइट के जरिये ताजा सुरक्षा निर्देश प्राप्त करने की सलाह दी। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों से अपने घरों और कार्यस्थलों के आसपास मौजूद सुरक्षित आश्रय स्थलों की पहचान करने और उनके नजदीक रहने को कहा गया है।

'बीबी, संभल जाओ वरना...', क्या ट्रंप की चेतावनी के बाद ईरान पर इस्राइल ने टाला हमला?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य हमले से बचने की सलाह दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ट्रंप ने नेतन्याहू से फोन पर कहा, बीबी, तुम्हें सावधान रहना चाहिए, नहीं तो जल्द ही तुम अकेले पड़ जाओगेश। यह बातचीत ऐसे समय हुई जब इस्राइल ईरान के कई संवेदनशील ठिकानों पर बड़े पैमाने पर जवाबी हमले की तैयारी कर रहा था। बताया गया कि ट्रंप की दखल के बाद नेतन्याहू ने बड़े हमले की योजना को फिलहाल रोकने पर सहमति जताई, बशर्ते ईरान आगे कोई नया हमला न करे। दो महीने पहले हुए युद्धविराम के बाद पहली बार ईरान और इस्राइल के बीच फिर से तनाव बढ़ा था। रविवार को ईरान ने इस्राइल पर मिसाइलें दागीं, जिसके जवाब में इस्राइल ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि सोमवार तक दोनों देशों ने संकेत दिए कि वे फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोक रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने नेतन्याहू को कोई सीधा आदेश नहीं दिया, बल्कि समझदारी से काम लेने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच एक महत्वपूर्ण समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश चल रही है और ऐसे समय में बड़े सैन्य हमले से बातचीत प्रभावित हो सकती है। वहीं, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से ईरान पर हमले रोकने के लिए कहा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, श्नहीं। मैंने कहा कि जो सही है वह करें, लेकिन मैं चाहता हूं कि आप जितनी जल्दी हो सके, इसे रोक दें। मामला लेबनान से जुड़ा है और इसे रुकना ही चाहिएश। रिपोर्टों के अनुसार क्षेत्र के कई देशों ने भी अमेरिका से हस्तक्षेप करने की अपील की थी। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान की ओर से संकेत मिले थे कि यदि इस्राइल हमले रोक देता है तो वह भी आगे मिसाइलें नहीं दागेगा। अमेरिका में इस्राइल के राजदूत येचिएल लाइटर ने इन खबरों को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया गया बताया। उन्होंने कहा कि ट्रंप और नेतन्याहू के बीच करीब 40 साल पुरानी दोस्ती है और करीबी लोगों के बीच कभी–कभी मतभेद या तीखी बातचीत होना सामान्य बात है। राजदूत ने कहा कि ट्रंप के अनुरोध पर इस्राइल ने सैन्य कार्रवाई की तीव्रता कम करने का फैसला किया, लेकिन अमेरिका यह भी समझता है कि इस्राइल अपने ऊपर होने वाले बैलिस्टिक मिसाइल हमलों का जवाब देने का अधिकार रखता है। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग और समझ को बेहद मजबूत बताया। इस बीच, ट्रंप ने पहले इस्राइल और ईरान दोनों से गोलीबारी और हमले रोकने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि शांति के लिए अंतिम बातचीत आगे बढ़ेगी, बशर्ते कोई मूर्खतापूर्ण कदम रास्ते में न आए। वहीं, नेतन्याहू ने साफ कहा कि इस्राइल को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है और वह जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल करता रहेगा। दूसरी ओर, ईरान ने भी सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिए हैं कि यदि हालात बिगड़ते हैं तो वह लंबे संघर्ष के लिए तैयार है। ईरानी नेताओं का कहना है कि अमेरिका और इस्राइल पर भरोसे की कमी क्षेत्र में तनाव को आगे भी बढ़ा सकती है। इस बीच ईरान के संसद अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर कालीबाफ ने कहा कि उन्हें अमेरिका पर भरोसा नहीं है और ट्रंप के हालिया बयान पहले हुए समझौतों से मेल नहीं खाते। फिलहाल क्षेत्र में तनाव कम होता दिखाई दे रहा है, लेकिन ईरान और इस्राइल के बीच स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है।

प. एशिया: 'न जंग का मैदान छोड़ा, न कूटनीति की मेज', ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन की अमेरिका-इस्राइल को दो टूक

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सोमवार को कहा कि उनका देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने और कूटनीतिक बातचीत जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान किसी भी धमकी के आगे नहीं झुकेगा। लेकिन बातचीत के रास्ते भी खुले रखेगा। राष्ट्रपति

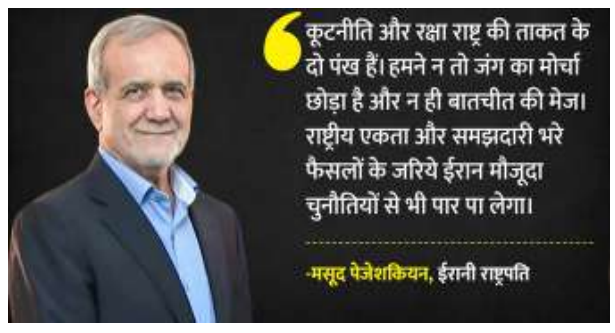

पेजेशकियन का यह बयान संघर्ष के 100वें दिन आया है। आठ अप्रैल से ईरान और इस्राइल के बीच लागू अस्थायी युद्धविराम सोमवार को टूट गया, जिससे पश्चिम एशिया एक बार फिर सीधे सैन्य टकराव के गंभीर दौर में पहुंच गया। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि ईरान की पहली प्राथमिकता देश की सुरक्षा और जनता की भलाई है। उन्होंने कहा, कूटनीति और रक्षा राष्ट्र की ताकत के दो पंख हैं। हमने न तो जंग का मोर्चा छोड़ा है और न ही बातचीत की मेज। पेजेशकियन ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और समझदारी भरे फैसलों के जरिये ईरान मौजूदा चुनौतियों से भी पार पा लेगा। उन्होंने कहा, ईश्वर की कृपा से एकता और विवेक के बल पर ईरान इस परीक्षा से भी विजयी होकर निकलेगा। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान और इस्राइल दोनों तत्काल युद्धविराम लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दोनों देशों के बीच हाल के दिनों में हुए हमलों और जवाबी हमलों के बाद यह बयान सामने आया है। ट्रंप ने कहा कि पश्चिम एशिया के संघर्ष का स्थायी समाधान निकालने के लिए शांति समझौते पर अंतिम दौर की बातचीत जारी है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अज्ञानता या मूर्खता इस समझौते की राह में बाधा बन सकती है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस्राइल और ईरान दोनों तत्काल युद्धविराम चाहते हैं। शांति के लिए अंतिम बातचीत जारी है, बशर्ते अज्ञानता या मूर्खता इसमें बाधा न बने। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अंतिम समझौता होने तक ईरान पर अमेरिका की नाकेबंदी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि समझौते की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

चीन की कंपनियों पर अमेरिका ने कसा शिकंजा, पेंटागन ने अलीबाबा-BYD को बताया सैन्य मददगार, लगाए ये आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती तनातनी अब व्यापार और टेक्नोलॉजी कंपनियों तक खुलकर पहुंच गई है। अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने चीन की कई बड़ी कंपनियों को ऐसी सूची में डाल दिया है, जिन्हें चीन की सेना की मदद करने वाला माना जा रहा है। इस सूची में टेक कंपनी अलीबाबा, इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली बीवाईडी और सर्च इंजन कंपनी बायडू जैसी बड़ी कंपनियों के नाम शामिल हैं। पेंटागन का कहना है कि ये कंपनियां सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से चीन की सैन्य ताकत बढ़ाने में मदद कर रही हैं। इसी कारण अब इन कंपनियों को अमेरिकी रक्षा ठेकों से बाहर कर दिया गया है। पेंटागन ने सोमवार को अपनी नई सूची जारी की। इसमें चीन की 188 कंपनियों को शामिल किया गया है। पिछले साल यह संख्या करीब 130 थी। इस बार सूची में उन कंपनियों को भी जोड़ा गया है, जिन्हें अब तक आम कारोबारी कंपनियां माना जाता था। अलीबाबा दुनिया की बड़ी ई–कॉमर्स और क्लाउड कंपनी है। वहीं, बीवाईडी इलेक्ट्रिक वाहन बाजार की बड़ी कंपनी बन चुकी है। बायडू चीन का प्रमुख सर्च इंजन है। इनके अलावा रोबोट बनाने वाली यूनिट्री कंपनी को भी सूची में डाला गया है। पेंटागन की सूची में आने के बाद ये कंपनियां सीधे अमेरिकी रक्षा विभाग के ठेके नहीं ले सकेंगी। हालांकि वे अभी भी अमेरिका में कारोबार कर सकती हैं। लेकिन इस फैसले से उनकी छवि पर असर पड़ सकता है। साथ ही आगे चलकर अमेरिका इन पर और सख्त प्रतिबंध भी लगा सकता है। अलीबाबा न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है। वहीं ठल्क दुनिया के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में तेजी से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी संसद के कई सांसद पहले ही चीनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर रोक लगाने की मांग कर चुके हैं। चीन के दूतावास ने अमेरिका के फैसले की आलोचना की है। चीन ने कहा कि अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर भेदभावपूर्ण सूची बना रहा है और चीनी कंपनियों को निशाना बना रहा है। दूतावास का कहना है कि चीनी कंपनियां जिन देशों में काम करती हैं, वहां के कानूनों का पालन करती हैं। चीन ने अमेरिका से निष्पक्ष और गैर–भेदभाव वाला कारोबारी माहौल देने की मांग की है। हालांकि जिन कंपनियों के नाम सूची में आए हैं, उनकी तरफ से तुरंत कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती कारोबारी लड़ाई का असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है। इलेक्ट्रिक वाहन, टेक्नोलॉजी, ड्रोन और रोबोटिक्स जैसे सेक्टर में सप्लाई चेन प्रभावित होने का खतरा है। भारत के लिए यह मामला इसलिए अहम है क्योंकि कई चीनी कंपनियां भारतीय बाजार में भी सक्रिय रही हैं। अगर अमेरिका आगे और सख्त कदम उठाता है तो इसका असर वैश्विक निवेश, टेक बाजार और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग पर दिखाई दे सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में टेक्नोलॉजी को लेकर अमेरिका और चीन के बीच मुकाबला और तेज हो सकता है।

दुबई में भीषण सड़क हादसा, कई भारतीय श्रमिकों की दर्दनाक मौत,दूतावास बोला- हर संभव करेंगे मदद

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी दुबई में सोमवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में कई भारतीय श्रमिकों की जान चली गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब एक मिनीबस उस ट्रक से जा टकराई जो तकनीकी खराबी के कारण सड़क के बीचोबीच अचानक रुक गया था। इस हादसे में सात लोगों की मौत हुई और नौ अन्य घायल हो गए। दुबई पुलिस के यातायात विभाग के महानिदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ट्रक तकनीकी खराबी के कारण एमिरेट्स रोड पर अचानक रुक गया था।

इस्राइल-ईरान के बीच बढ़ा तनाव, गिड़गिड़ाने लगे पाकिस्तानी पीएम, बोले- एक और मौका दें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को सभी पक्षों से संयम बरतने के साथ शांति को थोड़ा और मौका देने की अपील की। शहबाज शरीफ ने यह अपील ऐसे समय की, जब बढ़ते तनाव और हिंसा के कारण अमेरिका–ईरान के बीच संघर्ष समाप्त करने के लिए चल रहे शांति प्रयास प्रभावित हुए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी उस समय की, जब ईरान और इस्राइल ने एक–दूसरे पर जवाबी हमले किए और बाद में हमले रोकने की घोषणा की। शरीफ ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में हालिया हिंसा में वृद्धि इस बात की स्पष्ट याद दिलाती है कि कमजोर युद्धविराम से कितने खतरे जुड़े होते हैं और इसके क्या गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पाकिस्तानी पीएम ने कहा, जब हम अपने भाइयों और साझेदारों के साथ मिलकर इस संघर्ष का शांतिपूर्ण–कूटनीतिक समाधान खोजने के लिए गंभीरता और धैर्यपूर्वक प्रयास कर रहे हैं। विशेष रूप से जब अंतिम लक्ष्य लगभग हासिल होने वाला है, तब हम सभी पक्षों से ईमानदारी से संयम बरतने और शांति को थोड़ा और मौका देने की अपील करते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।